INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-127 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 3 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मनरेगा का बदला नाम, अब 125 दिन मिलेगी रोजगार की गारंटी

यूनिक समय, मथुरा। जिले में वीबी–जी राम–जी योजना के अंतर्गत बीते दिन ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की शुरुआत हुई है। जिले में एक साथ 495 विकास कार्य शुरू कराए गए। सभी 495 पंचायतों में एक साथ काम हुए। अब योजना के अंतर्गत पंजीकृत पात्र मजदूरों को 125 दिन का काम मिलेगा।

जनपद की 495 ग्राम पंचायतों में करीब 1.38 लाख जॉब कार्ड हैं, जिनमें लगभग 85 हजार सक्रिय हैं। शासन ने मनरेगा में सुधार करते हुए वीबी–जी राम–जी योजना लागू की है। इसके तहत जॉब कार्ड धारकों को अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। साथ ही मजदूरी का भुगतान सात दिन के भीतर किए जाने का प्रावधान किया गया है।

गोवर्धन ब्लाक के गांव नीमगांव में वीबी–जी राम–जी योजना के दौरान कार्य शुभारंभ पर मौजूद उपायुक्त श्रम एवं रोजगार विजय कुमार पांडेय और मजदूर आदि।

वीबी–जीरामजी योजना 495 ग्राम पंचायतों में शुरू

योजना के शुभारंभ पर गुरुवार को जिले के विभिन्न ब्लॉकों की ग्राम पंचायतों में निर्धारित कार्यों के सापेक्ष अधिक कार्य शुरू कराए गए। मस्टर रोल जारी कर पौधारोपण के लिए गड्ढों की खुदाई, पौधारोपण और चकरोड निर्माण जैसे कार्य प्रारंभ कराए गए। ब्लॉक गोवर्धन के गांव नीमगांव में उपायुक्त श्रम एवं रोजगार विजय कुमार पांडेय ने योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने ग्रामीणों को योजना के उद्देश्य और लाभों की जानकारी दी।

उपायुक्त श्रम एवं रोजगार विजय कुमार पांडेय ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत जॉब कार्ड धारकों को 125 दिन तक रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए खेती–किसानी के प्रमुख समय में 60 दिनों तक कार्य बंद रखने का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने योजना की अन्य विशेषताओं की भी जानकारी दी। इस दौरान प्रधान, सचिव और अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

जिले की अन्य ब्लाकों की ग्राम पंचायत में भी वीबी–जी राम–जी योजना लागू करने के दौरान प्रधान आदि से कामों का शुभारंभ कराया गया। सीडीओ पूजा गुप्ता ने बताया कि एक जुलाई को सभी 495 ग्राम पंचायतों में वीबी–जी राम–जी योजना के अंतर्गत काम कराए गए। अब योजना में पंजीकृत मजदूरों को 125 दिन का काम मिलेगा।

पूर्व प्रधान के गबन पर पंचायत राज विभाग का पर्दा

डीएम के आदेश पर डीपीआरओ पड़े भारी, नहीं हुई धनराशि की वसूली

सात माह बाद दोषी सचिव और तकनीकी सहायक पर नहीं हुई कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। करीब सात माह पहले डीएम के निर्देश पर पूर्व प्रधान और सचिवों के कारनामे की जांच हुई तो करीब 14 लाख का गबन खुला। ग्राम पंचायत में सरकारी धन के बंदरवाट का मामला सामने आने के बाद डीएम ने बीते साल डीपीआरओ को पूर्व प्रधान, संबंधित सचिव और मनरेगा के तकनीकी सहायक से गबन की गई धनराशि वसूली के निर्देश दिए गए, लेकिन सात माह बाद जिला पंचायत राज विभाग ने इस प्रकरण में कोई कार्रवाई आगे नहीं बढ़ाई है। शिकायतकर्ता ने मामले में डीपीआरओ की आरोपितों से मिलीभगत होने की शिकायत की है।

डीएम से शिकायतकर्ता पूर्व फौजी रेशम सिंह।

मामला राया ब्लाक की ग्राम पंचायत ककरारी के पूर्व प्रधान लेखराज से जुड़ा है। ग्राम पंचायत ककरारी के गांव सिरिया निवासी सेना पदक से सम्मानित पूर्व फौजी रेशम सिंह ने बीते साल 10 फरवरी को पूर्व प्रधान और तत्कालीन सचिवों के खिलाफ शिकायत की थी। शपथ पत्र पर हुई शिकायत में आरोप लगाया कि पूर्व प्रधान लेखराज और सचिवों ने बिना काम कराए करीब 14 लाख रुपये का गबन कर लिया है। डीएम चंदप्रकाश सिंह ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी और लघु सिंचाई विभाग राया के अवर अभियंता को जांच सौंपी।

जांच टीम ने गांव में जाकर जांच की तो कई लाख रुपये के काम मौके पर ही नहीं मिले, जबकि एक काम अधूरा मिला। ऐसी जांच रिपोर्ट मिलने के बाद डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने चार दिसंबर 2025 को डीपीआरओ को पत्र लिखा। निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 27 के अंतर्गत गबन की गई धनराशि को पूर्व प्रधान और उस समय तैनात रहे सचिव और तकनीकी सहायक मनरेगा से वसूली जाए, लेकिन डीपीआरओ की ओर से इस मामले में डीएम को इसी साल 17 मार्च को एक पत्र लिखकर बताया कि प्रकरण में कार्रवाई चल रही है।

शिकायतकर्ता रेशम सिंह का आरोप है कि डीपीआरओ अब सरकारी धन का गबन करने वालों को बचाने में जुटे हैं, वह गबन करने वालों से मिल गए हैं। अब वह आयुक्त से इस प्रकरण की शिकायत करेंगे।

मनरेगा और राज्य– केंद्र वित्त में हुआ घपला

ग्राम पंचायत ककरारी के पूर्व प्रधान लेखराज, तत्कालीन सचिव प्रवीन कुमार, सुकेश कुमार और तकनीकी सहायक मनरेगा उमेश सिंह ने करीब 14 लाख रुपये का गबन किया। मनरेगा में 8,57807 रुपये और राज्य वित्त-14 वां वित्त में 5,40507 का गबन किया। डीएम ने गबन की गई धनराशि का आधा हिस्सा पूर्व प्रधान लेखराज से और बाकी धनराशि सचिव प्रवीन कुमार, सुकेश कुमार, तत्कालीन तकनीकी सहायक उमेश सिंह से वसूली को कहा था। इस प्रकरण में डीपीआरओ धनजंय जायसवाल का फोन मिलाया, लेकिन फोन रिसीव नहीं किया, संदेश भेजकर स्वयं को बैठक में होना बताया। इसके बाद बात नहीं की।

एंटी करप्शन टीम ने दबोचा बिजली विभाग का बाबू

यूनिक समय,मथुरा। कृष्णानगर विद्युत सब स्टेशन पर तैनात एक बाबू को लोड कम करने के मामले में रिश्वत लेने पर एंटी करप्शन टीम ने छापा मारकर रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। टीम बाबू को अपने साथ ले गई। छापे मारी से विभाग के कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

बताया गया कि एंटी करप्शन टीम ने शुक्रवार को कृष्णानगर स्थित बिजली विभाग के कार्यालय पर आज आकर छापेमारी की। टीम ने वहां पर रिश्वत मांगने वाले सुरेश चंद बाबू को छापा मारकर तुरंत अपने कब्जे में ले लिया और गाड़ी में डालकर ले गए। इस छापेमारी से विद्युत विभाग के कार्यालय से हड़कंप मच गया।

मांग रहा था रिश्वत कोर्ट में पेश होगा बाबू

बताया गया कि एक ग्राहक ने अपना मीटर का लोड कम करने के लिए सुरेश चंद बाबू से बात की थी। बाबू ने उससे रिश्वत मांगी थी। ग्राहक ने रिश्वत मांगने वाले बाबू की शिकायत आगरा एंटीकरप्शन कार्यालय में की। शिकायत पर टीम ने आज विद्युत विभाग के कृष्णानगर स्थित कार्यालय पर आकर छापे मारी की। एंटी करप्शन की टीम शनिवार को बाबू को गाजियाबाद एंटीकरप्शन कोर्ट में पेश करेगी। बताया गया कि बाबू सुरेशचंद के सेवानिवृत्त होने में 11 माह की अवधि शेष है।

नीति आयोग और इंटेल की बड़ी पहल

एआई बूटकैंप से शहर की समस्याओं पर फोकस

यूनिक समय, मथुरा। नीति आयोग, अटल नवाचार मिशन और इंटेल इंडिया के सहयोग से शुरू हो रहा एआई बूटकैंप अब मथुरा जैसे शहरों की वास्तविक समस्याओं से भी जुड़ सकता है। इस पहल में छटवीं से 12वीं तक के छात्र केवल तकनीक सीखेंगे ही नहीं, बल्कि अपने शहर की समस्याओं का व्यावहारिक समाधान भी तैयार कर सकेंगे।

मथुरा में हर साल मानसून के दौरान जलभराव और टूटी सड़कों की समस्या गंभीर हो जाती है। नालियों की सही निकासी न होने, निर्माण कार्यों की धीमी गति और जगह–जगह खुदी सड़कों के कारण

बारिश में कई इलाके तालाब जैसे बन जाते हैं। इसी तरह के स्थानीय मुद्दों को अब छात्र अपने प्रोजेक्ट का आधार बना सकते हैं।

इस एआई आधारित बूटकैंप में छात्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा कि वे स्कूल, मोहल्ले, बाजार और कॉलोनियों में मौजूद समस्याओं की पहचान करें। उदाहरण के तौर पर जलभराव, ट्रैफिक जाम, कचरा प्रबंधन और सड़क सुरक्षा जैसी समस्याओं पर एआई आधारित समाधान तैयार किए जा सकते हैं।

एआई से समस्याएं हल करेंगे छात्र, खोजेंगे सड़कों और जलभराव का हल

छात्र अपने बनाए हुए समाधान को केवल मॉडल तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि उसे घर, स्कूल और आसपास के लोगों के बीच टेस्ट करेंगे। मथुरा जैसे शहर में वे यह समझ सकते हैं कि किन इलाकों में बारिश के दौरान पानी भरता है और उसका डेटा एकत्रित कर स्मार्ट समाधान विकसित किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के दौरान 50 दिनों में 25 ऑनलाइन सत्र होंगे, जिनमें विशेषज्ञ छात्रों को डिजाइन सोच और तकनीक का प्रशिक्षण देंगे। इसका उद्देश्य है कि युवा सिर्फ सीखें नहीं, बल्कि अपने शहर की असली समस्याओं को हल करने वाले इनोवेटर बनें।

अगर मथुरा के छात्र इस पहल से जुड़ते हैं, तो वे जलभराव जैसी पुरानी समस्या का तकनीकी और व्यावहारिक समाधान तैयार कर सकते हैं, जिससे शहर को भविष्य में बड़ी राहत मिल सकती है।

सावधान, यमुना के गहरे गड्ढे बन रहे जानलेवा

वृंदावन स्थित केसीघाट के समीप यमुना नदी में स्नान करते लोग।

नाविक बोले—कोई नहीं मानता हमारी सलाह

वृंदावन निवासी गोताखोर मुकेश का कहना है कि यमुना नदी में बन गए गड्ढों से कई हादसे हो चुके हैं। घाट पर मौजूद लोग स्नान को जाने वालों को समझाते हैं। सलाह नहीं मानने पर हादसे हो रहे हैं, जान भी जा रही है।

वृंदावन के ही निवासी जयदेव यमुना स्नान को आने वाले हर श्रद्धालु की जान कीमती है। स्नान को जाने वाले लोगों को खतरा बताकर समझाया जाता है। इसके बाद भी कुछ युवक सलाह नहीं मानते हैं, इसलिए जान लेवा हादसे होते हैं।

यूनिक समय, मथुरा। यमुना नदी में बने गहरे गड्ढे अब स्नान करने वालों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में बड़ी संख्या में लोग स्नान, धार्मिक अनुष्ठान या घूमने के लिए नदी किनारे पहुंचते हैं, लेकिन नदी के भीतर बने गहरे गड्ढों की जानकारी न होने के कारण कई तो हादसों का शिकार हो चुके हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ समय से वृंदावन में यमुना नदी में डूबने की घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल है।

गर्मी और उमस से राहत पाने को यमुना स्नान बन रहा हादसे की वजह

गोताखोरों की सलाह को दरकिनार करने वालों को उठाना पड़ रहा नुकसान

लोगों का कहना है कि नदी में अवैध खनन, तेज जलधारा और प्राकृतिक कटाव के कारण कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। बाहर से देखने पर पानी सामान्य दिखाई देता है, लेकिन कुछ ही कदम आगे बढ़ते ही अचानक गहराई बढ़ जाती है। ऐसे में तैरना जानने वाले लोग भी संतुलन खो बैठते हैं और डूबने लगते हैं। कई मामलों में समय पर बचाव नहीं हो पाने के कारण लोगों की मौत तक हो चुकी है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खतरनाक स्थानों पर न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। नदी किनारे प्रशिक्षित गोताखोर, लाइफगार्ड, लाइफ जैकेट और बचाव नौकाओं की व्यवस्था भी नहीं है। छुट्टियों और त्योहारों के दौरान लोगों की भीड़ बढ़ने के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था अपर्याप्त रहती है।

सामाजिक संगठनों और क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि नदी के खतरनाक घाटों और गहरे गड्ढों का सर्वे कराया जाए, ऐसे स्थानों को चिन्हित कर बैरिकेडिंग की जाए। इसके साथ ही चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, नियमित गश्त की व्यवस्था हो और लोगों को नदी में सावधानी बरतने के लिए जागरूक किया जाए। समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में ऐसे हादसों की संख्या और बढ़ सकती है।

अब हर नागरिक बनेगा ब्रज की स्वच्छता का प्रहरी

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज को स्वच्छ, सुंदर और दिव्य बनाने के लिए चल रहे हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है महाअभियान को अब जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन और नगर निगम ने आम लोगों की भागेदारी बढ़ाने के लिए हेल्पलाइन नंबर 9520994252 जारी किया है। इस नंबर पर संपर्क कर कोई भी व्यक्ति, संस्था या संगठन अभियान से जुड़ सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनपद में स्वच्छता महाअभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान से जुड़ने वाले लोग श्रमदान कर सकते हैं, अपने मोहल्ले या गांव में सफाई

महाअभियान से जुड़ने के लिए जारी हुआ हेल्पलाइन नंबर

अभियान चला सकते हैं, सार्वजनिक स्थानों पर डस्टबिन लगवा सकते हैं, प्लास्टिक मुक्त ब्रज के लिए कपड़े या जूट के थैले वितरित कर सकते हैं और बैनर, पोस्टर और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने कहा कि ब्रज को स्थायी रूप से स्वच्छ बनाने के लिए जनसहभागिता सबसे जरूरी है।

बांकेबिहारी मंदिर में फिर केक काटने का प्रयास

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में पिछले दिनों बरेली के मेयर द्वारा केक काटने का मामला अभी ठंडा नहीं पड़ा कि एक बार केक ले जाते हिन्दू महासभा आगरा की महिला जिलाध्यक्ष मीरा राठौर को पुलिस ने गेट पर रोक दिया। इसके बाद तकरार शुरु हो गई।

प्रत्यदर्शियों के अनुसार, महिला श्रद्धालु जिसका नाम मीरा राठौर बताया जाता है, वह हाथ में केक लेकर अन्य महिलाओं

केक ले जाते मीरा राठौर को पुलिस ने रोका, काफी देर तक गेट पर होती रही तकरार

के साथ मंदिर के गेट पर पहुंची। ड्यूटी पर तैनात एक दारोगा समेत पुलिसकर्मियों की निगाह केक ले जाती महिला पर पड़ी तो तत्परता दिखाते हुए उसे रोक दिया। इसके बाद मीरा राठौर पुलिसकर्मियों ने तकरार करने लगी। दारोगा ने लाख समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अड़ी रही। पुलिस के कड़े रुख से महिला को केक लेकर लौटना पड़ा।

मुड़िया मेला: 11 सौ बसों का संचालन करेगा रोडवेज

यूनिक समय, मथुरा। विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेले में उमड़ने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोडवेज ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। गिरिराजजी की सात कोसी परिक्रमा के लिए बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और समय पर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रोडवेज ने विशेष संचालन योजना तैयार की है।

रोडवेज के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक बीपी अग्रवाल ने बताया कि मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान कुल 1100 बसों का संचालन किया जाएगा। इनमें 100 बसों को रिजर्व रखा जाएगा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें तत्काल सेवा में लगाया जा सके। सभी बसों के संचालन पर निगरानी रखी जाएगी और प्रत्येक बस में दो-दो चालक तैनात किए जाएंगे, जिससे लंबी दूरी के संचालन के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बनी रहे। उन्होंने बताया कि पूरे संचालन की निगरानी के लिए विभिन्न स्थानों पर सेक्टर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई

जाएगी। अधिकारी बसों के संचालन, यात्रियों की सुविधा और यातायात व्यवस्था पर लगातार नजर रखेंगे, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। एआरएम ने बताया कि मथुरा से गोवर्धन जाने वाली रोडवेज बसों का संचालन मथुरा जंक्शन के रेलवे गेट नंबर-2 से किया जाएगा। वहीं, बसों की पार्किंग के लिए धौली प्याऊरेलवे ग्राउंड को चिन्हित किया गया है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए रूट प्लान भी तैयार किया गया है। मथुरा से गोवर्धन जाने वाली बसें सौंख मार्ग से होकर जाएंगी, जबकि वापसी में अड़ींग मार्ग से मथुरा लौटेंगी। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए कोसीकलां से भी गोवर्धन के लिए बसें चलाई जाएंगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष यातायात व्यवस्था

100 बस रहेंगी रिजर्व रेलवे के गेट नंबर-2 से चलेगी बसें

एआरएम ने बताया कि मेले के दौरान मथुरा से दिल्ली, इटावा, बरेली, गाजियाबाद, मेरठ सहित विभिन्न शहरों के लिए भी नियमित और अतिरिक्त बसों का संचालन जारी रहेगा, ताकि अन्य यात्रियों को भी आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि गोवर्धन में बसों की पार्किंग के लिए स्थान का अंतिम चयन अभी किया जाना बाकी है। संबंधित विभागों के साथ बातचीत की जा रहीं है। शीघ्र ही पार्किंग स्थल तय कर लिया जाएगा, जिससे मेले के दौरान बसों का संचालन व्यवस्थित ढंग से किया जा सके।

वनकर्मी पर साधू वेषधारी ने चाकू से किए ताबड़तोड़ प्रहार

यूनिक समय, वृंदावन। थाना कोतवाली इलाके के सुनरख गांव के सौभरी वन में साधु भेषधारी ने वहां बैठे वन विभाग के एक संविदा कर्मी पर हमला कर दिया। साधू ने चाकू से कई हमला कर वन कर्मी घायल कर दिया। इसके बाद हमलावर वहां से भाग गया। घटना से इलाके में सनससी फैली गई।

सुनरख गांव निवासी देवेंद्र गौतम वन विभाग में संविदा पर सर्विस करते हैं। बताया गया कि शुक्रवार को देवेंद्र गौतम सौभरी वन में करीब नौ बजे बैठे हुए थे, मोबाइल पर कुछ देख रहे थे। इसी दौरान वहां आए एक साधु भेषधारी ने अचानक उन पर बिना कुछ कहे

धारदार हथियार से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से देवेंद्र बुरी तरह से सहम गया। वह कुछ समझते, हमलावर ने धारदार हथियार से उनके शरीर पर कई वार कर बुरी तरह से

वनकर्मी को घायल करने के बाद हमलावर भाग गया

पुलिस को दी गई तहरीर, घायल का चल रहा है इलाज

घायल कर दिया। उनके द्वारा शोर किए जाने पर परिवारीजनों के आने से पहले ही हमलावर वहां से भाग गया। घायल को परिवार के लोग हॉस्पिटल ले गए। पीड़ित ने पुलिस को इस मामले में दी गई शिकायत में अज्ञात साधू वेषधारी द्वारा जानसे मारने की नीयत से हमला किए जाने की शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर हमला करने वाले अज्ञात साधू वेषधारी की तलाश शुरू कर दी है। बताया गया कि हमलावर साधू न कुछ दिन पहले रमण रेती इलाका स्थित एक कॉम्प्लेक्स में भी घुस गया था। जहां उसने जमकर हंगामा किया था।

जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जमानत कराकर जेल से बाहर आने के बाद उसने एक बार फिर वनकर्मी पर हमला कर दिया।

ग्रांडर एप से लूट करने वाले सात गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। जैंत पुलिस ने ग्राइंडर एप के माध्यम से लोगों को सुनसान स्थान पर बुलाकर लूट और डकैती करने वाले सात अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 मोबाइल, 51 हजार 500 रुपये की नकदी और दो बाइक बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, जैंत पुलिस को आज इस तरह की सूचना मिली की ग्राइंडर एप के माध्यम से लड़कों को जंगल में बुलाकर उनके साथ लूट पाट करने वाला गैंग धौंरा का जंगल में आया हुआ है। पुलिस ने इस सूचना पर धौंरा जंगल में पहुंचकर गैंग की घेराबंदी

10 मोबाइल और दो बाइक और नकदी हुई बरामद

की। पुलिस ने जंगल से अभियुक्त सुनील निवासी ग्राम बैना जगनीपुर थाना अगऊ बाजार जिला भोजपुर बिहार हाल निवासी वृंदावन, सूरज निवासी धारुहेड़ा जिला रेवाड़ी हरियाणा, रवि निवासी संत कॉलोनी वृंदावन. कृष्णा उर्फ बिट्टू निवासी संत कॉलोनी वृंदावन, भूपेंद्र निवासी नंदा गढ़ी राया, प्रवीण निवासी दत्तावांस सादाबाद हाथरस, राजेश सिंह निवासी ग्राम मंगरौन जिला दमोह मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया है।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी

यूनिक समय, मथुरा। महावन कस्बे के समीप बीती रात बाइक से गांव लौटते एक युवक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में घायल की पुलिया के नीचे गिरकर हुई मौत। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

बताया गया कि थाना हाईवे के गांव नरहौली निवासी रामप्रकाश (35) पुत्र गिर्राज सिंह किसी काम से दाऊजी से आगे गया था।

वह कल रात को नरहौली के लिए लौट रहा था। उसकी बाइक जैसे ही साढ़े ग्यारह बजे के करीब महावन कस्बे के समीप बन रही पुलिया के निकट पहुंची। इसी बीच किसी तेज रफ्तार गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार

घायल युवक की सड़क से नीचे पुलिया के समीप गिर कर हुई मौत

दी। दुर्घटना में वह गंभीर घायल होकर पुलिया के समीप नीचे गिर गया। किसी की निगाह इस ओर नहीं गई और वहीं पर ही पड़े- पड़े रामप्रकाश की मौत हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की तलाशी की और परिवार के लोगों को दुर्घटना की जानकारी दी। परिवार के लोग पुलिस से मिली इस दुखद सूचना पर सकते में आ गए। परिवार में कोहराम मचा गया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

किसानों को बताए साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय

गोष्ठी में मौजूद किसानों को साइबर फ्रॉड से बचने के तरीके बताते अमित चतुर्वेदी।

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत नाबार्ड द्वारा सहकारी समिति छटीकरा पर आयोजित गोष्ठी में वित्तीय साक्षरता केंद्र के डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज अमित चतुर्वेदी ने किसानों को साइबर फ्रॉड के विभिन्न तरीकों और उनसे बचने के उपाय बताए। डेफ योजना की जानकारी भी दी।

अमित चतुर्वेदी ने किसानों को खाते में नॉमिनी बनाने के लाभ बताते हुए समाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी। डीडीएम नाबार्ड अभिषेक शुक्ला ने सहकारिता सप्ताह पर प्रकाश डाला और केसीसी,

सहकारिता सप्ताह में हुआ कार्यक्रम, किसी को न बताएं ओटीपी

एफपीओ से जुड़ने के लाभ, एनएलएम योजना, फसल बीमा के लाभ की जानकारी दी। किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न लोन की योजनाओं की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में दीपक गोस्वामी, सहकारी समिति के सचिव के अलावा किसानों ने प्रतिभाग किया । किसानों की जिज्ञासाओं को सुनकर उनका निराकरण किया गया।

मिशन सेफ फ्यूचर में छह स्कूली वाहन सीज, 22 के चालान

यूनिक समय, मथुरा। स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के तहत तीसरे दिन भी सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 6 स्कूली वाहनों को सीज किया गया, जबकि 22 वाहनों के चालान किए गए। उत्तर प्रदेश शासन और परिवहन आयुक्त के निर्देश पर शुक्रवार को वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत के नेतृत्व में जिले के विभिन्न मार्गों पर स्कूली वाहनों की जांच की गई। अभियान में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सतेंद्र कुमार सिंह,

बिना फिटनेस, परमिट और सुरक्षा मानकों वाले वाहनों पर परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई

यात्रीकर अधिकारी संदीप चौधरी और पूजा सिंह भी शामिल रहे। राजेश राजपूत ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्कूल प्रबंधकों और वाहन स्वामियों को फिटनेस, परमिट, टैक्स और बीमा सहित सभी दस्तावेज जल्द से जल्द पूरे कराने के निर्देश दिए।

रालोद ने प्रीतम सिंह प्रमुख को बनाया जिलाध्यक्ष

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने वरिष्ठ किसान

नेता चौ. प्रीतम सिंह प्रमुख को मथुरा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी ने जिले में संगठन को मजबूत करने के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी है। प्रीतम सिंह प्रमुख गोवर्धन क्षेत्र के किसान नेता हैं। वे दो बार गोवर्धन विधानसभा से चुनाव लड़ चुके हैं। दो बार समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष, अजीत सेना के जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं। नियुक्ति पर प्रीतम सिंह प्रमुख ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष रामआशीष राय और क्षेत्रीय अध्यक्ष बृजेश चाहर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे चौधरी चरण सिंह की किसान–हितैषी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करेंगे तथा किसानों, युवाओं और आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाएंगे।

दहेज हत्या में पति सहित तीन की जमानत खारिज

यूनिक, समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार ने दहेज की खातिर पत्नी की हत्या करने वाले पति सहित तीन लोगों की जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है।

जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि वादी कान्हा उर्फ कृष्णा यादव ने रिपोर्ट में कहा है कि कोतवाली के झींगरपुरा के मनकामेश्वर मंदिर में (25 अप्रैल 2025) को राहुल सक्सेना की शादी हिंदू रीति-रिवाज के साथ उसकी बहन पायल उर्फ गुनगुन के साथ हुई थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। राहुल सक्सेना, नरेंद्र सक्सेना, ममता इस शादी से खुश नहीं थे। इन लोगों द्वारा दहेज की मांग को लेकर पायल को प्रताड़ित किया जाता था। इस बारे में उसने परिवार के लोगों को बताया था। ससुराल में पति सहित अन्य लोगों ने दहेज

प्रेम विवाह के बाद दहेज की मांग को लेकर की थी बहू की हत्या

की मांग को लेकर पायल उर्फ गुनगुन की हत्या कर दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम में रिपोर्ट के आधार पर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया।

इन तीनों ने अपनी जमानत के लिए जेल से अधिवक्ता के माध्यम से जिला जज की कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। जमानत पर हुई बहस में डीजीसी ने कड़ा विरोध किया। जिला जज ने बहस सुनने के बाद तीनों की जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया।

मानसून की पहली बारिश कर गई निहाल

नए बस स्टैंड पुल के नीचे बारिश के भरे पानी से निकलती महिला और साइकिल सवार युवक।

बारिश की वजह से उखड़ी चौक बाजार की सड़क दिखाता युवक।

मानसून की पहली बारिश की वजह से चौक बाजार में भरा पानी।

बारिश बंद होने के बाद नए बस स्टैंड रेलवे के पुल के ऊपर से लाइन पार करते महिला-पुरुष।

रोडवेज वर्कशॉप भरा बारिश का पानी।

आधे घंटे की जोरदार बारिश से लोगों को झेलनी पड़ी परेशानी

पानी के तेज बहाव में बह गई स्कूटी, दुकानदारों का सामान बहा

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को हुई मानसून की पहली बारिश से उमस और गर्मी से बेहाल लोगों को निहाल कर दिया। आधा घंटे की जोरदार बारिश से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। हाइवे के सर्विस मार्गों पर पानी भरने से वाहनों के पहिये थम गए, जबकि पानी के तेज बहाव में एक स्कूटी बह गई, कई दुकानदारों का सामान भी पानी के साथ बह गया।

सुबह से ही मौसम बदला था, आसमान पर आते- जाते बादल उमस और गर्मी के बीच बदलाव का संकेत दे रह थे। धूप भी कमजोर थी। दोपहर करीब एक बजे यकायक आसमान पर छाए काले बादल और गहराए तो बूंदाबांदी शुरू हो गई। कुछ देर बाद जोरदार वर्षा होने लगी। करीब आधे घंटे की बारिश से हर कोई राहत में दिखा। बच्चों ने इसका जमकर आनंद लिया, जबकि बाइकों पर युवक ऐसे मौसम का लुफ्त लेने को सड़कों पर मस्ती करते रहे। समूचे जिले में जोरदार वर्षा होने से किसान खुश हो गए, जबकि उमस से बेहाल नागरिक राहत में दिखे।

वहीं, झमाझम वर्षा की वजह से लोगों को परेशानी भी हुई। शहर के डोरी बाजार में पानी के तेज बहाव की वजह से एक स्कूटी बह गई, जबकि कई दुकानदारों का सामान पानी में बह गया। रेलवे पुलों के नीचे पानी भरने से लोग रेलवे लाइन पार करके निकलते रहे, जबकि नगर निगम की टीम पुलों के नीचे भरे पानी को निकालने के लिए पाइप डालने में जुटी रही। सड़कों पर नदियशें की तरह पानी दौड़ा तो चौक बाजार में सड़क उखड़ गई।

नए बस स्टैंड के सामने रेलवे पुल के नीचे पानी में तैरती कार।

कृष्णा नगर के शंकर विहार में पहली बारिश से हुआ जलभराव।

मानसून सक्रिय, नौ जुलाई तक भारी बारिश की संभावना

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार का दिन हर किसी के लिए सुकून लेकर आया। करीब आधे घंटे की जोरदार बर्षा से कुछ परेशानी के बाद भी हर मन खुश दिखा। अब मौसम विभाग ने मानसून सक्रिय होने की वजह से नौ जुलाई तक मध्यम से जोरदार वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया है। इस दौरान तापमान में कमी आएगी।

जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार के अनुसार, जून के सूखे के कारण फसलों की बुवाई बुरी तरह प्रभावित हो रही थी, लेकिन अब इस वर्षा से खेतों को जरूरी नमी मिल गई है। इससे खरीफ फसलों की बुवाई और बीजों के अंकुरण में तेजी आएगी। फरह के किसान मुकेश कुमार ने बताया कि इस बारिश के बाद अब खेतों में यूरिया की मांग तेजी से बढ़ जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, नौ जुलाई तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, इस अवधि के दौरान भारी वर्षा होने की संभावना रहेगी। मौसम विभाग ने किसानों को मौसम देखकर ही खेतों में दवा या खाद का छिड़काव करने की सलाह दी।

बारिश का पानी सड़कों से सीधे पहुंचा यमुना में

यूनिक समय, वृंदावन। मूसलाधार बारिश भले ही करीब आधा घंटे तक हुई हो, लेकिन जिस तरह से नाले-नाली उफने और सड़कों पर पानी का सैलाब नजर आया, वह सीधे बड़े नालों से होकर यमुना में गिरा। इससे यमुना का जल स्तर बढ़ गया।

मूसलाधार बारिश में भीगते हुए घर लौटे स्कूली बच्चे

फरह क्षेत्र के ग्राम दीनदयाल धाम में दोपहर को हुई जोरदार बारिश के दौरान पू.मा.विद्यालय के छात्र-छात्राएं भीगते हुए घर लौटते नजर आए। बच्चों के कंधों पर भारी स्कूल बैग और उनमें रखी किताबें-कॉपियां भी बारिश में भीग गईं, जिससे अभिभावकों में नाराजगी देखने को मिली।

बारिश ने खोली पोल, रोडवेज वर्कशॉप कार्यालय में भरा पानी

यूनिक समय, मथुरा। झमाझम बारिश ने रोडवेज वर्कशॉप की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। तेज बारिश के कारण वर्कशॉप के कार्यालय में पानी भर गया, जिससे कर्मचारियों को कामकाज करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। कार्यालय के अंदर जलभराव होने से कर्मचारियों का आना-जाना भी मुश्किल हो गया। कर्मचारियों को कार्यालय से बाहर निकलने के लिए ईंटें रखकर रास्ता बनाना पड़ा। कर्मचारियों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान यहां जलभराव की समस्या होती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

बारिश से सड़क किनारे रहने वाले साधु परेशान हो गए

यूनिक समय, वृंदावन। पिछले कई दिनों से गर्मी से परेशान लोगों को आज बारिश राहत दे गई। दोपहर के वक्त आसमान में मंडराए काले बादलों से दिन में अंधेरा सा छा गया। बादलों के गरजने के साथ मूसलाधार बारिश होने लगी, जिससे बाजारों में अफरा-तफरी सी मच गई। कई इलाकों में पानी हिलोरे मारने लगा। आसमान में उड़ते पक्षी अपने घौंसलों की ओर चले आए। प्रेम मंदिर के आसपास बारिश अधिक होने से श्रद्धालु इधर से उधर भागने लगे। परिक्रमा मार्ग के फुटपाथ में रहने वाले साधु-संत परेशान नजर आए।

आगरा से सलाह लेकर हो रहा मरीजों का इलाज

हार्ट विशेषज्ञ के बिना चल रहा जिला अस्पताल

यूनिक समय, मथुरा। जिले के सबसे बड़े सरकारी जिला अस्पताल में आज भी हार्ट रोग विशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट) की तैनाती नहीं हो सकी है। ऐसे में हृदय रोग से जुड़े मरीजों का इलाज फिजिशियन और आगरा के विशेषज्ञ डॉक्टरों की ऑनलाइन सलाह के आधार पर किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई बार शासन को विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्टाफ की आवश्यकता से अवगत कराने के बावजूद अब तक नई तैनाती नहीं होने से मरीजों को पूरी सुविधा नहीं मिल पा रही है।

जानकारी के अनुसार, जिला अस्पताल में सीने में दर्द और हार्ट संबंधी मरीज पहुंचते हैं। उनकी पहले ईसीजी कराई जाती है। इसके बाद फिजिशियन रिपोर्ट का परीक्षण करते हैं। यदि हार्ट संबंधी गंभीर आशंका होती है तो ईसीजी रिपोर्ट आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विशेषज्ञों को भेजी जाती है। उनकी सलाह मिलने के बाद मरीज का इलाज शुरू किया जाता है। जरूरत पड़ने पर हार्ट अटैक के मरीज को जीवनरक्षक इंजेक्शन भी लगाया जाता है, जो बाजार में काफी महंगा है। जिला अस्पताल में यह इंजेक्शन मरीजों को निशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। सोमवार को भी सीने में दर्द की शिकायत लेकर पहुंचे सदर बाजार के एक मरीज का इसी प्रक्रिया के तहत उपचार किया गया और विशेषज्ञों की सलाह पर तत्काल इंजेक्शन लगाया गया। जिले में केवल हार्ट विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि कई अन्य विभाग भी विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्टाफ की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसे में मौजूद डॉक्टर अलग से जिम्मेदारी निभाकर स्वास्थ्य सेवाएं संभाल रहे हैं।

विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्टाफ की कमी बरकरार

कई बार मांग के बाद भी नहीं हुई तैनाती

वहीं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस समस्या से कई बार शासन को अवगत कराया गया है, पत्र भी लिखे गए हैं। इससे अधिक करना उनके वश में नहीं है।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जीएलए फार्मेसी के प्रोफेसरों की विकसित स्किन कैंसर से बचाव लोशन का पेटेंट ग्रांट

जीएलए फार्मेसी के प्रोफेसरों द्वारा प्राकृतिक तेलों से बनी त्वचा सुरक्षा लोशन का पेटेंट ग्रांट

मजदूर–किसानों के लिए हो सकती है उपयोगी

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च (आईपीआर) के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने चिकित्सा और कॉस्मेटिक विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित 'ऑयल–इन–वाटर इमल्शन कॉस्मेटिक कंपोजिशन' को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा पेटेंट ग्रांट हुआ है।

यह विशेष फॉर्मूलेशन त्वचा को सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों से बचाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि लगातार तेज धूप और पराबैंगनी किरणों के संपर्क में रहने से त्वचा को नुकसान पहुंचता है, जिससे समय से पहले त्वचा की क्षति और गंभीर मामलों में त्वचा कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए इस विशेष लोशन का विकास किया गया है, जो त्वचा पर एक सुरक्षात्मक परत बनाकर हानिकारक किरणों के प्रभाव को कम करने में सहायक है।

इस फॉर्मूलेशन की खास बात यह है कि इसमें चमेली का तेल (जैस्मिन ऑयल) और राइस ब्रान ऑयल जैसे प्राकृतिक अवयवों का उपयोग किया गया है। यह लोशन सन प्रोटेक्शन फैक्टर (एसपीएफ 25) से अधिक सुरक्षा प्रदान करती है, इसमें उत्कृष्ट एंटीऑक्सीडेंट गुण भी पाए गए हैं। शोध के दौरान इसे त्वचा पर उपयोग के लिए सुरक्षित पाया गया है और इसमें ऐसे प्राकृतिक घटकों का चयन किया गया है जिनसे शरीर को किसी प्रकार की हानि की संभावना न्यूनतम रहे। इस महत्वपूर्ण शोध कार्य को विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ. शशांक चतुर्वेदी, एसोसिएट प्रो. डॉ. अनुज गर्ग और बीफार्म की छात्रा मुस्कान गांधी ने मिलकर पूरा किया। एक छात्रा का सह–आविष्कारक के रूप में पेटेंट प्राप्त करना संस्थान में विकसित मजबूत शोध संस्कृति का प्रमाण माना जा रहा है। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शशांक चतुर्वेदी ने बताया कि शोध के दौरान ऐसे प्राकृतिक अवयवों का चयन किया गया, जो त्वचा के लिए सुरक्षित होने के साथ प्रभावी सुरक्षा भी प्रदान करें। चमेली के तेल और राइस ब्रान ऑयल आधारित यह फॉर्मूलेशन उच्च एसपीएफ क्षमता और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से युक्त है। उन्होंने कहा कि यह शोध केवल एक अकादमिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि समाज के उस बड़े वर्ग को ध्यान में रखकर किया गया है जो लंबे समय तक धूप में कार्य करता है। भविष्य में यह फॉर्मूलेशन त्वचा की सुरक्षा और त्वचा कैंसर के जोखिम को कम करने की दिशा में उपयोगी साबित हो सकता है।

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज गर्ग ने बताया कि वर्तमान समय में त्वचा कैंसर विश्वभर में तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं में शामिल है। विशेष रूप से किसान, मजदूर, ट्रैफिक पुलिसकर्मी, सुरक्षा गार्ड और अन्य ऐसे लोग जो प्रतिदिन कई घंटे तक तेज धूप में कार्य करते हैं, उनमें त्वचा संबंधी रोगों और कैंसर का खतरा अपेक्षाकृत अधिक रहता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इस विशेष कॉस्मेटिक फॉर्मूलेशन का विकास किया गया है, जो त्वचा को हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाने के साथ–साथ त्वचा कैंसर के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है।

विभाग के डायरेक्टर प्रो. कमल शाह ने कहा कि यह पेटेंट केवल एक शोध उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज की वास्तविक आवश्यकता को ध्यान में रखकर विकसित किया गया नवाचार है। उन्होंने इसे स्वास्थ्य सुरक्षा और कॉस्मेटिक विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान बताया। डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. कमल शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि जीएलए में विकसित हो रहे शोध पारिस्थितिकी तंत्र (रिसर्च इकोसिस्टम) की सफलता का प्रमाण है। कुलपति प्रो. अनूप गुप्ता ने कहा कि जीएलए यूनिवर्सिटी में शोध को केवल अकादमिक उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा जाता, बल्कि ऐसे नवाचारों को प्रोत्साहित किया जाता है जो सीधे समाज और मानव स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हों।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री बनने पर विधायक राजेश चौधरी का किया स्वागत

भाजपा के प्रदेश महामंत्री बनने पर विधायक राजेश चौधरी का स्वागत करते हुए जलपुरुष प्रमोद कसेरे और अन्य गणमान्य लोग

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री नियुक्त किए जाने पर मांट विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश चौधरी का जवाहर बाग मॉर्निंग वॉक ग्रुप के सदस्यों ने सम्मान कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनको पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके नए दायित्व के लिए बधाई दी और विश्वास जताया कि उनके संगठनात्मक अनुभव का लाभ पार्टी को प्रदेशभर में मिलेगा।

विधायक राजेश चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जनसेवा के कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इस अवसर पर जलपुरुष प्रमोद कसेरे, सुशील गोयल, नीरज कुमार, विजय कुमार गर्ग, सतीश कसेरे, संजीव सीए, राजेश मित्तल सहित जवाहर बाग मॉर्निंग वॉक ग्रुप के अनेक सदस्य और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अब बीईओ स्तर पर ही सुलझेंगी शिक्षकों की समस्याएं

बीएसए ने जारी किए सख्त निर्देश, हर दिन तय समय पर होगी सुनवाई

बेवजह जिला कार्यालय भेजे गए मामलों पर जवाबदेही तय होगी

यूनिक समय, मथुरा। जिले के शिक्षकों और शिक्षिकाओं की समस्याओं का जल्द समाधान कराने के लिए बीएसए रतन कीर्ति ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। अब प्रत्येक बीईओ अपने तय दिन पर शिक्षकों की समस्याएं सुनेंगे और जिन मामलों का निस्तारण उनके स्तर पर हो सकता है, समाधान करेंगे। ऐसे मामलों को बिना वजह जिला कार्यालय नहीं भेजा जाएगा।

बीएसए ने कहा है कि किसी भी शिक्षक की फाइल को बेवजह लंबित रखना, अधूरे दस्तावेजों के साथ जिला कार्यालय भेजना या निस्तारण में देरी करना गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। ऐसे मामलों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आदेश के अनुसार सभी खंड शिक्षा अधिकारी अपने निर्धारित दिन दोपहर तीन बजे से पांच बजे तक बीएसए कार्यालय में मौजूद रहेंगे। इस दौरान वे अपने विकास खंड के शिक्षकों की समस्याएं सुनेंगे और जो मामले उनके अधिकार क्षेत्र में हैं, उनका तुरंत निस्तारण करेंगे। समाधान की जानकारी संबंधित शिक्षक को भी दी जाएगी।

बीएसए ने बताया कि सोमवार बुद्धसेन सिंह छाता, नंदगांव और नगर क्षेत्र कोसीकलां, मंगलवार को दिनेश कुमार त्रिपाठी राया और नगर क्षेत्र मथुरा–वृंदावन, बुधवार को कौशल कुमार नौहझील, गुरुवार विनय प्रताप सिंह गोवर्धन, राकेश कुमार, चौमुहां, शुक्रवार-कैलाश प्रसाद शुक्ल ग्रामीण मथुरा, नरेंद्र कुमार फरह शनिवार, गिर्राज सिंह मांट और बल्देव अपने–अपने दिन उपस्थित रहेंगे। बीएसए ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण की नियमित समीक्षा की जाएगी। यदि कोई खंड शिक्षा अधिकारी अपने स्तर पर हल होने वाले मामलों को बेवजह लंबित रखता है, बिना जांच के जिला कार्यालय भेजता है या तय दिन पर सुनवाई नहीं करता है, तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

सपा नेता को मिली राहत थाने से देर रात मिली जमानत

मामले की जांच के बाद होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। धोखाधड़ी करने और फर्जी चिटफंड कमेटी चलाने के मामले कोतवाली पुलिस ने मुख्य आरोपी डॉ. अनुराग अग्रवाल और सहयोगी सपा नेता अनिल अग्रवाल पर गैंगस्टर की कार्रवाई की है। बीती रात गोविंदनगर थाने पर नेता को हिरासत में लिए जाने पर कर्यीकर्ताओं ने हंगामा काटा। पुलिस ने देर रात स्वास्थ्य चेकअप के बाद थाने से जमानत दे दी है। गौरतलब है कि कोतवाल विनोद बाबू मिश्रा की ओर से दर्ज की गई प्राथमिकी में कहा गया है कि कोतवाली क्षेत्र के जनरलगंज (हाल निवासी राधापुरम, थाना हाईवे) का रहने वाला डॉ. अनुराग अग्रवाल एक शातिर किस्म का अपराधी है। उसने माधवपुरी (महोली रोड) निवासी सपा नेता अनिल अग्रवाल के साथ मिलकर संगठित आपराधिक गिरोह बना रखा है। इस गैंग का मुख्य पेशा फर्जी चिटफंड, लॉटरी और कमेटी के नाम पर आम जनता से लाखों रुपये ऐंठना है। पीड़ितों ने अपने पैसे वापस मांगते हैं, तो ये आरोपी उन्हें गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते रहे और रंगदारी की मांग करते रहे। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरोह अवैध रूप से फर्जी क्लीनिक चलाकर भी काली कमाई अर्जित कर रहा है। आरोपियों के खिलाफ पहले से ही वर्ष 2025 और 2026 में जालसाजी, धोखाधड़ी और धमकी देने के गंभीर धाराओं में कोतवाली में कई मुकदमे दर्ज हैं। जिला प्रशासन और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की हरी झंडी मिलने के बाद इस गिरोह के खिलाफ धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह बताया कि पूछताछ के लिए अनिल अग्रवाल को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल मामले की विवेचना जारी है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

आपसी कहासुनी में युवक को मारी गोली

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे के गांव खामनी में मामूली कहा सुनी पर एक युवक ने दूसरे युवक को गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार, गांव खामनी निवासी छोटू पुत्र द्वारिका की बीती रात गांव में किसी बात को लेकर देशा उर्फ संदीप नाम के युवक से कहा सुनी हो गई। कहासुनी से बात आगे बढ़ गई तो गुस्साए देशा उर्फ संदीप ने छोटू को तमंचे से गोली मार दी। गोली लगने से वह बुरी तरह से घायल हो गया। पुलिस ने गोली चलाने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आठ माह की मासूम को सफल सर्जरी से मिली नई जिंदगी

केडी हॉस्पिटल में बच्ची के कूल्हे में गांठ का हुआ सफल ऑपरेशन

शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा के प्रयासों से मिली जिंदगी

बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन करने वाले डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम।

यूनिक समय, मथुरा। केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम ने अडूकी टाउनशिप निवासी गौरव की आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिन्दगी दी है। बच्ची के पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद हॉस्पिटल से उसकी छुट्टी कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, अडूकी निवासी गौरव के घर आठ माह पहले बच्ची ने जन्म लिया। जन्म से ही उसके कूल्हे पर बड़ी गांठ होने के चलते वह हमेशा रोती–बिलखती रहती थी। बच्ची की परेशानी को देखते हुए माता–पिता ने उसे आगरा और मथुरा के कई जाने–माने चिकित्सकों को दिखाया, लेकिन कोई भी बच्ची की परेशानी दूर नहीं कर सका।

एक चिकित्सक ने तो गांठ को मवाद समझ कर उसमें चीरा लगा दिया, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ गई।

आखिरकार लोगों की सलाह के बाद 26 जून को गौरव और उसकी पत्नी बच्ची को लेकर केडी हॉस्पिटल आए, शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा से मिले। डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने बच्ची की कुछ आवश्यक जांचें करवाईं, जिससे पता चला कि गांठ जितनी बाहर दिख रही थी, उतनी ही पेट के अंदर भी थी। उन्होंने बच्ची की बेहद कष्टदाई स्थिति को देखते हुए परिजनों को तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी। परिजनों की स्वीकृति के बाद 23 जून को शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने बच्ची का ऑपरेशन कर गांठ को निकाल दिया। उन्होंने बताया कि गांठ मूत्र की थैली और मलद्वार से चिपकी हुई थी, जिसे निकालने में काफी सावधानी बरती गई। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस परेशानी को सेक्रोकोक्सीजियल टेरेटोमा कहा जाता है। ऑपरेशन में डॉ. श्याम बिहारी शर्मा का सहयोग डॉ. कुशा कपूर, डॉ. अंकित कापड़िया, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. शिवांगी अग्रवाल और ओटी टेक्नीशियन शिवा ने किया।

डॉ. शर्मा का कहना है कि आठ माह तक गांठ रहने से इसमें कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। बच्चों या किसी अन्य को शरीर के किसी हिस्से में गांठ निकलती है तो उसे बिना देरी किए चिकित्सक को दिखा लेना चाहिए, ताकि कैंसर जैसी किसी सम्भावना से बचा जा सके।

केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने सफल सर्जरी के लिए डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम को बधाई देते हुए बच्ची के स्वस्थ–सुखद जीवन की कामना की है।

बारिश की हर बूंद बचाने की तैयारी

सरकारी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम दुरुस्त करने के निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। मानसून के सक्रिय होने से पहले जिले में वर्षा जल बचाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि सरकारी और अर्द्धसरकारी भवनों में लगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम ठीक हालत में हों, ताकि बारिश का पानी व्यर्थ न बहकर जमीन में पहुंच सके और भूजल स्तर बढ़ाने में मदद मिले।

सीडीओ ने कहा कि पानी की बढ़ती कमी को देखते हुए वर्षा जल का संरक्षण बेहद जरूरी है। इसलिए सभी विभाग अपने भवनों में लगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जांच कराएं। जहां सफाई, मरम्मत या किसी तरह की कमी हो, उसे तुरंत ठीक कराया जाए। उन्होंने कहा कि छत से पानी लाने वाली पाइप, फिल्टर, रिचार्ज पिट, रिचार्ज शाफ्ट और पानी जमा करने वाले टैंक पूरी तरह सही हालत में होने चाहिए, ताकि बारिश का ज्यादा से ज्यादा पानी सुरक्षित किया जा सके।

सीडीओ ने जिले के लोगों से कहा कि वे अपने घरों और संस्थानों में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अपनाएं। इससे भूजल स्तर बढ़ेगा और आने वाले समय में पानी की कमी से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि जल है तो कल है केवल एक नारा नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है। अगर हर व्यक्ति बारिश के पानी को बचाने की पहल करेगा, तो भविष्य में जल संकट से काफी हद तक बचा जा सकेगा।

विशेषज्ञों की चेतावनी: दोपहर 12 से 4 बजे तक बरतें सावधानी

गर्मी में बढ़ रहा ओजोन प्रदूषण, फेफड़ों के साथ दिल पर भी पड़ रहा असर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली–एनसीआर में वायु प्रदूषण की चर्चा अक्सर सर्दियों के मौसम में होती है, लेकिन गर्मियों में भी एक ऐसा प्रदूषण तेजी से बढ़ता है, जो दिखाई नहीं देता, फिर भी सेहत पर गंभीर असर डाल सकता है।

क्या है ओजोन प्रदूषण: यथार्थ हॉस्पिटल, फरीदाबाद के वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. हेमंत गोयल के अनुसार, जमीन के निचले स्तर पर बनने वाली ओजोन किसी फैक्ट्री या वाहन से सीधे नहीं निकलती।

यह तब बनती है, जब वाहनों और औद्योगिक गतिविधियों से निकलने वाले नाइट्रोजन ऑक्साइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक तेज धूप और अधिक तापमान के संपर्क में आकर रासायनिक प्रतिक्रिया करते हैं।

यही कारण है कि गर्मियों में, विशेषकर दोपहर के समय, ओजोन का स्तर तेजी से बढ़ जाता है।

शरीर पर कैसे करता है असर: ओजोन प्रदूषण सबसे पहले श्वसन

तंत्र को प्रभावित करता है। इसके संपर्क में आने पर आंखों में जलन, गले में खराश, लगातार खांसी, सांस लेने में तकलीफ और सीने में जकड़न जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय तक इसका असर रहने पर फेफड़ों की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है और श्वसन संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित लोगों में ओजोन प्रदूषण के कारण लक्षण अधिक गंभीर हो सकते हैं। कई बार सांस फूलने की समस्या बढ़ जाती है और अस्पताल में भर्ती होने की नौबत भी आ सकती है।

दिल की सेहत पर भी पड़ सकता है प्रभाव: हाल के कई अध्ययनों में यह संकेत मिले हैं कि लंबे समय तक अधिक ओजोन स्तर के संपर्क में रहने से हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम भी बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह शरीर

अस्थमा व हृदय रोगियों के लिए बढ़ सकता है जोखिम

में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ा सकता है, जिससे पहले से हृदय रोग से जूझ रहे लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

हालांकि, किसी व्यक्ति में जोखिम कई अन्य स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारकों पर भी निर्भर करता है।

किन लोगों को सबसे अधिक सावधान रहने की जरूरत: स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, अस्थमा और सीओपीडी के मरीजों तथा खुले में लंबे समय तक काम करने वाले लोगों पर ओजोन प्रदूषण का असर अधिक पड़ सकता है। इन वर्गों को अधिक गर्मी और तेज धूप वाले समय में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना चाहिए।

ओट्स से करें दिन की हेल्दी शुरुआत

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने वालों के बीच ओट्स नाश्ते का लोकप्रिय विकल्प बनता जा रहा है। फाइबर, प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम और विटामिन–बी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर ओट्स लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करता है। यही वजह है कि इसे संतुलित आहार का अहम हिस्सा माना जाता है। नाश्ते में ओट्स से कई स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं। ओट्स उपमा में मौसमी सब्जियां मिलाकर इसे फाइबर और विटामिन से भरपूर बनाया जा सकता है। ओट्स चीला दही और सब्जियों के साथ तैयार होकर प्रोटीनयुक्त नाश्ता बन जाता है। वहीं, ओवरनाइट ओट्स में दूध या दही, चिया सीड्स, ताजे फल और ड्राई फ्रूट्स मिलाकर झटपट पौष्टिक भोजन तैयार किया जा सकता है।

इसके अलावा ओट्स पोहा और ओट्स स्मूदी बाउल भी स्वाद और सेहत का बेहतरीन मेल हैं। ओट्स को और पौष्टिक बनाने के लिए इसमें केला, सेब, बेरी, दही, ग्रीक योगर्ट, बादाम, अखरोट, अलसी के बीज, चिया सीड्स और कद्दू के बीज शामिल किए जा सकते हैं।

नाश्ते में बनाएं पांच स्वादिष्ट रेसिपी

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि इंस्टेंट की जगह कम प्रोसेस्ड ओट्स चुनें, अतिरिक्त चीनी या मीठे सिरप से बचें और पर्याप्त पानी पीते रहें। यदि किसी को ग्लूटेन से संबंधित समस्या हो, तो खरीदते समय पैक पर 'ग्लूटेन–फ्री' लेबल अवश्य जांचें। संतुलित मात्रा में प्रोटीन और फलों के साथ ओट्स का सेवन दिन की स्वस्थ शुरुआत का बेहतर विकल्प हो सकता है।

मानसून में कीड़ों से छुटकारा दिलाएंगे रसोई के ये घरेलू नुस्खे

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून अपने साथ ठंडक और राहत तो लाता है, लेकिन बरसात के मौसम में कीड़े–मकौड़ों की समस्या भी बढ़ जाती है। शाम होते ही जैसे ही घरों में बल्ब या ट्यूबलाइट जलती है, वैसे ही बरसाती पतंगे और छोटे–छोटे कीड़े रोशनी के आसपास मंडराने लगते हैं। ये न केवल असुविधा पैदा करते हैं, बल्कि कई बार खाने–पीने की वस्तुओं को दूषित कर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी बढ़ा सकते हैं।

ऐसे में कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर इन कीड़ों से काफी हद तक छुटकारा पाया जा सकता है। नीम का तेल और कपूर इसका प्रभावी विकल्प माना जाता है। पानी में थोड़ा नीम का तेल और पिसा हुआ कपूर मिलाकर स्प्रे

तैयार करें और इसे लाइट के आसपास की दीवारों या खिड़की-दरवाजों के पास छिड़कें। इसकी तेज गंध कीड़ों को दूर रखने में मदद करती है।

इसी तरह लहसुन और प्याज का रस भी उपयोगी माना जाता है। दोनों का रस

लाइट जलते ही लगने लगती है कीड़ों की भीड़

करने से कीड़ों के साथ मच्छर और मक्खियां भी दूर रहती हैं।

सफेद सिरका (व्हाइट विनेगर) को पानी में मिलाकर लाइट फिक्स्चर और दीवारों के आसपास स्प्रे करने से भी कीड़ों की आवाजाही कम हो सकती है। हालांकि, इन घरेलू उपायों का असर परिस्थितियों के अनुसार अलग–अलग हो सकता है। यदि घर में कीड़ों का प्रकोप लगातार बना रहे या स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो, तो विशेषज्ञ की सलाह लेना और आवश्यक कीट नियंत्रण उपाय अपनाना बेहतर रहेगा।

पानी में मिलाकर छिड़काव करने से बरसाती कीड़े कम आते हैं। नींबू का रस और बेकिंग सोडा मिलाकर तैयार घोल का प्रयोग भी किया जा सकता है। इसके अलावा शाम के समय तेजपत्ता और लौंग का हल्का धुआं

यात्रा से पहले मौसम और प्रशासन की सलाह जरूर देखें

मानसून में घूमने से पहले रहें सतर्क, इन पर्यटन स्थलों पर बढ़ जाता है खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून का मौसम हरियाली, ठंडी हवाओं और मनमोहक प्राकृतिक नजारों के कारण घूमने–फिरने के शौकीनों को अपनी ओर आकर्षित करता है। हालांकि, यही मौसम कई पर्यटन स्थलों पर जोखिम भी बढ़ा देता है। लगातार बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन, बादल फटने, सड़कें बंद होने और नदियों के उफान जैसी घटनाएं सामने आती रहती हैं। ऐसे में यात्रा की योजना बनाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना जरूरी है।

उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र: मानसून के दौरान मसूरी, नैनीताल, केदारनाथ, बद्रीनाथ और जोशीमठ जैसे क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और सड़क बाधित होने की घटनाएं हो सकती हैं। कई बार नदियों का जलस्तर बढ़ने और मौसम खराब होने से

यात्रियों को लंबे समय तक रास्ते में रुकना पड़ सकता है।

हिमाचल प्रदेश: कुल्लू, मनाली, बिलासपुर और आसपास के पहाड़ी इलाकों में भी बारिश के दौरान भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। कई मार्ग मलबा आने से बंद हो जाते हैं और तेज बारिश के कारण स्थानीय प्रशासन समय–समय पर यात्रा संबंधी सलाह जारी करता है।

दार्जिलिंग और पूर्वोत्तर क्षेत्र: पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में मानसून के दौरान तीस्ता नदी का जलस्तर बढ़ सकता है और पहाड़ी मार्गों पर भूस्खलन की आशंका रहती है। वहीं असम सहित पूर्वोत्तर के कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति बनने से आवागमन प्रभावित हो सकता है।

केरल और तटीय क्षेत्र: वायनाड सहित केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश के दौरान बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आती रही हैं। इसके अलावा समुद्र तटीय क्षेत्रों में ऊंची लहरें और खराब मौसम के कारण पर्यटन गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। मुंबई और अन्य तटीय शहरों में भी जलभराव और यातायात बाधित होने की स्थिति बन सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून में यात्रा पूरी तरह टालना आवश्यक नहीं है, लेकिन गंतव्य का चयन सोच–समझकर करना चाहिए। यात्रा पर निकलने से पहले भारतीय मौसम विभाग की ताजा चेतावनियां, स्थानीय प्रशासन की एडवाइजरी, सड़क और मौसम की स्थिति की जानकारी अवश्य लें। यदि किसी क्षेत्र में रेड या ऑरेंज अलर्ट जारी हो, तो यात्रा स्थगित करना ही सुरक्षित विकल्प माना जाता है।

सुविचार

मन की शांति सबसे बड़ी दौलत है।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	12:40-01:31 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	शतभिषा	01:43-03:12 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:33 AM	चन्द्रोदय	10:16 PM
सूर्यास्त		7:14 PM	चंद्रास्त	10:03 AM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:56AM -12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		08:58 AM: 10:41 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: नया कार्य शुरू करने के लिए दिन अनुकूल। आत्मविश्वास बढ़ेगा, परिवार का सहयोग मिलेगा, खर्च नियंत्रित रखें, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ: कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी, यात्रा लाभदायक रहेगी, धैर्य बनाए रखें।

मिथुन: नई योजनाएं सफल होंगी। विद्यार्थियों को शुभ समाचार मिलेगा, मित्रों का सहयोग मिलेगा, निवेश सोच-समझकर करें, मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क: परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। नौकरी में प्रगति होगी, स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, अनावश्यक विवादों से दूरी बनाए रखें।

सिंह: आत्मविश्वास से कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ मिलेगा, वरिष्ठों का सहयोग रहेगा, क्रोध पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा।

कन्या: रुके हुए कार्य पूरे होंगे। आर्थिक लाभ के योग बनेंगे, परिवार में खुशियां आएंगी, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

तुला: नौकरी और व्यापार दोनों में लाभ मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, संयम बनाए रखें।

वृश्चिक: महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें। धन लाभ होगा, परिवार में सौहार्द रहेगा, विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल, यात्रा संभव है।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, करियर में अवसर मिलेंगे, खर्चों पर नियंत्रण रखना लाभदायक रहेगा।

मकर: कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। निवेश से लाभ होगा, परिवार का सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, नई योजनाएं सफल होंगी।

कुंभ: नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें, मित्रों का सहयोग मिलेगा, आत्मविश्वास से सफलता प्राप्त होगी।

मीन: मन शांत रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, परिवार में सुखद वातावरण रहेगा, करियर में प्रगति के नए अवसर मिलेंगे।

सावन का पहला सोमवार सबसे शुभ, ऐसे पाएं भोलेनाथ की कृपा

3 अगस्त से शुरू होंगे चार सावन सोमवार

जलाभिषेक और मंत्र जाप से मिलेगा शुभ फल

यूनिक समय, मथुरा। भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र माने जाने वाले श्रावण मास की शुरुआत 30 जुलाई से होगी। इस बार सावन 28 अगस्त तक रहेगा। पूरे महीने शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और कांवड़ यात्रा की धूम रहेगी। धार्मिक मान्यता है कि सावन के प्रत्येक सोमवार का विशेष महत्व है, लेकिन पहला सावन सोमवार सबसे अधिक फलदायी माना जाता है।

वर्ष 2026 में पहला सावन सोमवार 3 अगस्त को पड़ेगा। इसके बाद 10 अगस्त, 17 अगस्त और 24 अगस्त को अन्य तीन सावन सोमवार आएंगे। इन दिनों लाखों श्रद्धालु व्रत रखकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे और सुख-समृद्धि की कामना करेंगे।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पहले सावन सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर स्वच्छ या सफेद वस्त्र पहनने चाहिए। इसके बाद शिवलिंग पर गंगाजल, शुद्ध जल, दूध, दही, शहद और बेलपत्र अर्पित कर विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। धतूरा, आक के फूल और भस्म अर्पित करना भी शुभ माना जाता है। यदि संभव हो तो नजदीकी शिव मंदिर में जाकर जलाभिषेक और भगवान शिव के दर्शन करना विशेष फलदायी माना जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

पूजा के दौरान 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का 108 बार जाप करने, शिव चालीसा और रुद्राष्टक का पाठ करने की भी परंपरा है। मान्यता है कि इससे मन को शांति मिलती है और भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

धार्मिक विद्वानों के अनुसार सावन में पूजा के साथ आचरण की पवित्रता भी जरूरी है। इस पूरे महीने सात्विक भोजन करने, क्रोध और नशे से दूर रहने तथा जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र या अपनी क्षमता के अनुसार दान देने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि श्रद्धा, संयम और नियमित शिव आराधना के साथ बिताया गया सावन जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

12 जुलाई को पहला रवि प्रदोष व्रत

सूर्यास्त के बाद करें भगवान शिव की पूजा, दो शुभ योग में मिलेगा व्रत का फल

यूनिक समय, मथुरा। जुलाई का पहला रवि प्रदोष व्रत इस वर्ष 12 जुलाई रविवार को रखा जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार आषाढ़ कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर पड़ने वाला यह व्रत भगवान शिव की विशेष आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रदोष व्रत की पूजा हमेशा सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में ही करनी चाहिए।

इस बार प्रदोष व्रत पर वृद्धि योग और ध्रुव योग का शुभ संयोग बन रहा है, जिससे व्रत का महत्व और बढ़ गया है। पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 7:22 बजे से रात 9:24 बजे तक रहेगा। इसी दौरान भगवान शिव का जलाभिषेक, मंत्र जाप और विधि-विधान से पूजा करना फलदायी माना गया है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार त्रयोदशी तिथि की संध्या बेला में भगवान शिव कैलाश पर्वत पर आनंद तांडव करते हैं। इसी कारण प्रदोष काल को शिव पूजा के लिए सबसे शुभ समय माना जाता है। इस समय श्रद्धापूर्वक पूजा करने से सुख, शांति, समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

धार्मिक विद्वानों के अनुसार प्रदोष व्रत में व्रती को दिनभर संयम रखकर सूर्यास्त के बाद भगवान शिव का पूजन, दीप प्रज्वलित करना, बेलपत्र अर्पित करना और 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करना चाहिए। मान्यता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक किया गया प्रदोष व्रत शिव कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ माध्यम माना जाता है।

जन्मतिथि बताएगी कब बज सकती है आपकी शहनाई

मूलांक से विवाह योग का मिलता संकेत

अंक ज्योतिष में ऐसे करें आसान गणना

यूनिक समय, मथुरा। यदि शादी में लगातार देरी हो रही है या हर बार रिश्ता बनते-बनते टूट जाता है, तो अंक ज्योतिष के अनुसार जन्मतिथि से विवाह के संभावित समय का संकेत प्राप्त किया जा सकता है। हालांकि विशेषज्ञ इसे केवल एक संभावित गणना मानते हैं, अंतिम निर्णय के लिए जन्म कुंडली और ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण भी जरूरी होता है।

अंक ज्योतिष में जन्मतिथि के दिन के अंकों को जोड़कर मूलांक निकाला जाता है। उदाहरण के लिए यदि किसी का जन्म 12 तारीख को हुआ है तो 1+2=3, यानी उसका मूलांक 3 होगा। इसके बाद जन्म माह और संबंधित वर्ष की अंक गणना के आधार पर विवाह योग का अनुमान लगाया जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार जब किसी वर्ष की अंक ऊर्जा व्यक्ति के मूलांक के अनुकूल होती है, तब सगाई या विवाह के योग मजबूत माने जाते हैं। हालांकि केवल अंक ज्योतिष के आधार पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। यदि विवाह में लगातार बाधाएं आ रही हों, तो कुंडली, ग्रह दशा और सप्तम भाव का विस्तृत अध्ययन कराना अधिक लाभदायक माना जाता है।

आज शुरू हुई पवित्र अमरनाथ यात्रा, गूंजा हर-हर महादेव

पहले दिन 4822 श्रद्धालु पवित्र गुफा पहुंचे

57 दिनों तक चलेगी बाबा बर्फानी की यात्रा

यूनिक समय, मथुरा। श्रद्धा, आस्था और शिवभक्ति का सबसे बड़ा पर्व अमरनाथ यात्रा 2026 शुक्रवार से विधिवत शुरू हो गया। पहले ही दिन "हर-हर महादेव" और "बम-बम भोले" के जयघोष से जम्मू-कश्मीर की वादियां गूंज उठीं। हाथों में त्रिशूल और डमरू लिए हजारों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए उत्साह के साथ रवाना हुए। इस वर्ष यात्रा का पहला जत्था कुल 4,822 श्रद्धालुओं का है, जो पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों से पवित्र गुफा की ओर बढ़ा।

पहले जत्थे में 2,510 श्रद्धालु पहलगाम के नुनवान आधार शिविर पहुंचे, जबकि 2,312 श्रद्धालु बालटाल आधार शिविर से यात्रा पर निकले।

दोनों मार्गों पर सुरक्षा एजेंसियों ने कड़े इंतजाम किए हैं। भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बल और नागरिक प्रशासन पूरे यात्रा मार्ग पर चौबीसों घंटे तैनात हैं, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव मिल सके।

यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हेल्पिंग हैंड टीम, चिकित्सा शिविर, सहायता केंद्र, आपातकालीन सेवाएं और नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। प्रशासन ने मौसम और स्वास्थ्य संबंधी हर स्थिति से निपटने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। श्रद्धालुओं को लगातार मार्गदर्शन देने के लिए स्वयंसेवकों की भी तैनाती की गई है।

इस बार अमरनाथ यात्रा 57 दिनों तक चलेगी और 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर अंतिम पूजा एवं दर्शन के साथ संपन्न होगी। हर वर्ष की तरह इस बार भी देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंचने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सभी श्रद्धालुओं से प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और मौसम संबंधी सलाह पर विशेष ध्यान देने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यात्रा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।

गौरतलब है कि अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया पहले 15 अप्रैल से शुरू हुई थी। अब सीमित स्लॉट के आधार पर 12 अगस्त तक पुनः पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर होने वाले इस पंजीकरण के जरिए श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दिव्य हिमलिंग के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त कर सकेंगे।

सम्पादकीय

मर्यादा हारी, वीआईपी जीते, बिहारीजी फिर भी मौन हैं !

बांके बिहारी मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि सदियों पुरानी मर्यादाओं और परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। विडंबना यह है कि जहां सामान्य श्रद्धालु को नियमों का पाठ पढ़ाया जाता है, वहीं प्रभावशाली लोगों के लिए वही नियम अक्सर सुविधानुसार बदल जाते हैं। बरेली के मेयर द्वारा जगमोहन की देहरी पर जन्मदिन का केक काटने का वीडियो इसी दोहरे मानदंड की नई मिसाल बन गया है।

पवन गौतम
संपादक

कहा जा रहा है कि यह फलों से बना केक था और पर्दा पड़ा होने के कारण सेवायतों को इसकी जानकारी नहीं हो सकी। लेकिन सवाल केक के स्वाद का नहीं, बल्कि मंदिर की मर्यादा के सम्मान का है। यदि हर श्रद्धालु अपने जन्मदिन, वर्षगांठ या निजी उत्सव को मंदिर के गर्भगृह के सामने मनाने लगे, तो फिर मंदिर और समारोह स्थल में अंतर ही क्या रह जाएगा?

दुर्भाग्य यह है कि बांके बिहारी मंदिर में मर्यादा भंग होने की यह पहली घटना नहीं है। कभी रील बनाने की होड़ में श्रद्धालु नियम भूल जाते हैं, कभी वीआईपी दर्शन के नाम पर आम भक्तों की लंबी कतारें थम जाती हैं। कई बार गर्भगृह के निकट फोटो और वीडियो बनाने, विशेष प्रवेश, अनियंत्रित भीड़ और प्रभावशाली लोगों को मिली छूट को लेकर विवाद उठ चुके हैं। हर बार कुछ दिन शोर मचता है, फिर सब सामान्य हो जाता है और अगली घटना का इंतजार शुरू हो जाता है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

व्यंग्य यही है कि बिहारीजी के दरबार में सब बराबर बताए जाते हैं, लेकिन व्यवहार में कुछ भक्त "अति विशिष्ट" हो जाते हैं। लगता है अब मंदिरों में भी श्रद्धा से अधिक पहचान, पद और प्रभाव की पूजा होने लगी है। नियम आम श्रद्धालुओं के लिए हैं, जबकि रसूखदारों के लिए केवल औपचारिक सलाह।

जरूरत किसी व्यक्ति विशेष को कठघरे में खड़ा करने की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर प्रश्न उठाने की है जो ऐसी घटनाओं को संभव बनाती है। यदि मंदिर की मर्यादा वास्तव में सर्वोपरि है, तो उसका पालन हर किसी पर समान रूप से लागू होना चाहिए। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब आस्था के सबसे पवित्र स्थल भी निजी प्रचार और दिखावे के मंच बनकर रह जाएंगे।

बिहारी जी शायद आज भी मुस्कुरा रहे हों, लेकिन यह मुस्कान भक्तिभाव की नहीं, हमारी बदलती प्राथमिकताओं पर मौन व्यंग्य की प्रतीत होती है।

नजरिया

लोकतांत्रिक अधिकारों की उपेक्षा ने पीओके में बढ़ाया जनाक्रोश

राम प्रकाश शर्मा

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पिछले कुछ समय से जिस तरह विरोध-प्रदर्शन तेज हुए हैं, उन्होंने एक बार फिर इस क्षेत्र की वास्तविक स्थिति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया है। पाकिस्तान वर्षों से कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंचों पर उठाता रहा है और स्वयं को कश्मीरी जनता का हितैषी बताने का प्रयास करता है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस क्षेत्र पर उसका प्रत्यक्ष नियंत्रण है, वहीं के लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं, लोकतांत्रिक अधिकारों और विकास संबंधी अपेक्षाओं की लंबे समय से उपेक्षा की जाती रही है। परिणामस्वरूप आज पीओके में असंतोष केवल आर्थिक कठिनाइयों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह शासन व्यवस्था के प्रति व्यापक अविश्वास और राजनीतिक असंतोष का रूप ले चुका है।

हाल के महीनों में पीओके के अनेक शहरों और कस्बों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बिजली की बढ़ती दरें, महंगाई, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, बेरोजगारी और सीमित आर्थिक अवसर इन प्रदर्शनों के तत्काल कारण रहे। लेकिन यदि इन आंदोलनों को केवल आर्थिक संकट का परिणाम मान लिया जाए तो यह अधूरा आकलन होगा। वास्तव में यह असंतोष वर्षों से जमा उस निराशा का परिणाम है, जो राजनीतिक अधिकारों के अभाव, प्रशासनिक उपेक्षा और संसाधनों के असमान उपयोग से पैदा हुई है।किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वहां की सरकार नागरिकों की समस्याओं को कितनी गंभीरता से सुनती है और उनका समाधान किस प्रकार करती है। यदि जनता अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से रखती है और उसके जवाब में उसे संवाद के बजाय दमन का सामना करना पड़े, तो असंतोष और गहरा होना स्वाभाविक है। पीओके में भी कई अवसरों पर यही स्थिति देखने को मिली है। विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती, गिरफ्तारियां और कठोर प्रशासनिक कदम यह संकेत देते हैं कि वहां जनभावनाओं को समझने की अपेक्षा उन्हें नियंत्रित करने पर अधिक बल दिया गया।

इतिहास पर नजर डालें तो पीओके लंबे समय से विकास के मामले में अपेक्षाकृत पिछड़ा क्षेत्र माना जाता रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचा, रोजगार और औद्योगिक विकास जैसे क्षेत्रों में वहां की जनता लगातार बेहतर सुविधाओं की मांग करती रही है। स्थानीय संसाधनों का उपयोग तो हुआ, लेकिन वहां के लोगों को उसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल सका। यह शिकायत समय के साथ व्यापक असंतोष में बदलती गई। किसी भी क्षेत्र की जनता तब अधिक निराश

होती है जब उसे यह महसूस होने लगे कि उसके संसाधनों का उपयोग तो हो रहा है, लेकिन विकास के लाभ उससे दूर हैं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी इस पूरे विवाद का महत्वपूर्ण पहलू है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने का नाम नहीं है, बल्कि नागरिकों को नीति निर्माण में प्रभावी भागीदारी देने की व्यवस्था भी है। यदि जनता को यह महसूस हो कि उसके निर्णय कहीं और लिए जा रहे हैं और उसकी आवाज का कोई महत्व नहीं है, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। पीओके में समय-समय पर उठने वाली राजनीतिक मांगें इसी असंतोष को दर्शाती हैं।

पाकिस्तान लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष कश्मीर में मानवाधिकारों की बात करता रहा है। लेकिन किसी भी देश की विश्वसनीयता तभी मजबूत होती है जब वह अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में भी समान मानकों का पालन करे। यदि किसी क्षेत्र की जनता लगातार मूलभूत सुविधाओं, पारदर्शी प्रशासन और नागरिक अधिकारों की मांग कर रही हो, तो उन मांगों की अनदेखी करना अंततः उसी सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में केवल बयान पर्याप्त नहीं होते; व्यवहार और प्रशासनिक व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।

हाल के आंदोलनों के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा भारत से व्यापारिक या आवागमन संबंधी संभावनाओं का उल्लेख भी चर्चा में रहा। ऐसे बयानों की अलग-अलग राजनीतिक व्याख्याएं हो सकती हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि वे वहां के लोगों की वर्तमान परिस्थितियों से असंतुष्टि और बेहतर आर्थिक अवसरों की इच्छा को भी दर्शाते हैं। जब किसी क्षेत्र की जनता अपने भविष्य को लेकर निराश होती है, तो वह वैकल्पिक संभावनाओं पर विचार करने लगती है। इसलिए इन घटनाओं को केवल राजनीतिक नारेबाजी मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा।

यह भी समझना आवश्यक है कि किसी भी विवादित या संवेदनशील क्षेत्र में स्थिरता केवल सुरक्षा उपायों से कायम नहीं रह सकती। सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो सकती है, लेकिन उसका उद्देश्य नागरिकों की रक्षा होना चाहिए, न कि उनकी आवाज को दबाना। दीर्घकालीन शांति तभी संभव है जब शासन जनता का विश्वास जीतने में सफल हो। इसके लिए पारदर्शी प्रशासन, आर्थिक विकास, न्यायपूर्ण नीतियां और संवाद की संस्कृति अनिवार्य हैं। आज दुनिया के अनेक उदाहरण बताते हैं कि जहां सरकारों ने जनाकांक्षाओं को समय रहते समझा, वहां सामाजिक तनाव कम हुए और विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसके विपरीत जहां असहमति को केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न मानकर दबाने का प्रयास किया गया, वहां समस्याएं और जटिल होती चली गईं। पीओके की वर्तमान स्थिति भी यही संकेत देती है कि जनता की वास्तविक समस्याओं को अनदेखा करना किसी भी सरकार के लिए दीर्घकाल में लाभकारी नहीं हो सकता।

आर्थिक दृष्टि से भी पीओके में व्यापक सुधार की आवश्यकता महसूस की जाती है। पर्यटन, जल संसाधन, कृषि और स्थानीय उद्योगों में पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं। यदि इन क्षेत्रों में पारदर्शी निवेश, स्थानीय भागीदारी और रोजगार सृजन पर ध्यान दिया जाए तो जनता के जीवन स्तर में सुधार संभव है। लेकिन विकास तभी सार्थक होगा जब उसके लाभ स्थानीय लोगों तक समान रूप से पहुंचें और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो। अंततः किसी भी शासन की सबसे बड़ी ताकत उसकी सैन्य क्षमता नहीं, बल्कि जनता का विश्वास होता है। विश्वास संवाद, न्याय और विकास से अर्जित होता है, भय और दमन से नहीं। यदि किसी क्षेत्र के लोग बार-बार अपनी समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरने को मजबूर हों, तो यह केवल प्रशासनिक चुनौती नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का विषय भी है। पीओके की परिस्थितियां इसी दिशा में गंभीर संकेत देती हैं।

पाकिस्तान के लिए यह समय केवल विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करने का नहीं, बल्कि वहां की जनता की वास्तविक आकांक्षाओं को समझने का है। यदि लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान, आर्थिक अवसरों का विस्तार और जनहितकारी नीतियों को प्राथमिकता दी जाती है, तो तनाव कम हो सकता है। लेकिन यदि असंतोष को केवल दमन के माध्यम से दबाने का प्रयास जारी रहता है, तो इससे जनता और शासन के बीच की दूरी बढ़ने की आशंका बनी रहेगी। किसी भी क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता का आधार जनता का विश्वास, सहभागिता और सम्मान ही होता है। यही सिद्धांत पीओके की वर्तमान परिस्थितियों पर भी समान रूप से लागू होता है।

विचार विंडो

हर सड़क हादसा पूछ रहा, आखिर जिम्मेदार कौन है?

बोध प्रकाश सगुणी

उत्तर प्रदेश देश के सबसे बड़े राज्यों में है, जहां हर दिन लाखों लोग सड़क मार्ग से सफर करते हैं। बीते कुछ वर्षों में प्रदेश ने एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है। आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और गंगा एक्सप्रेस-वे जैसे प्रोजेक्ट विकास की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं। तेज रफ्तार सड़कें आर्थिक गतिविधियों को गति देती हैं, लेकिन इनके साथ सुरक्षा व्यवस्था भी उतनी ही मजबूत होना आवश्यक है। दुर्भाग्य से सड़क दुर्घटनाओं के लगातार बढ़ते मामले यह संकेत देते हैं कि विकास की रफ्तार के साथ सुरक्षा की तैयारी अभी भी अधूरी है।

राजस्थान के दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चलती बस में लगी आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। यह घटना केवल एक बस दुर्घटना नहीं थी, बल्कि सड़क सुरक्षा व्यवस्था की कई कमियों को उजागर करने वाली त्रासदी भी थी। ऐसी घटनाएं उत्तर प्रदेश के लिए भी सबक हैं, क्योंकि यहां भी हर दिन लाखों यात्री लंबी दूरी तय करते हैं। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन, औद्योगिक गतिविधियों और बढ़ते यातायात के कारण सड़कों पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में सड़क सुरक्षा को केवल नियमों का विषय नहीं, बल्कि जनजीवन की सुरक्षा का प्रश्न मानना होगा।

हर सड़क हादसे के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। चालक की लापरवाही, तेज रफ्तार, वाहन की तकनीकी खराबी, सड़क डिजाइन की खामियां और यातायात नियमों

की अनदेखी-ये सभी मिलकर दुर्घटनाओं को जन्म देते हैं। इसलिए हर हादसे के बाद केवल चालक को दोषी ठहराकर जिम्मेदारी पूरी नहीं हो सकती। जरूरत पूरे तंत्र की समीक्षा करने और उन कमियों को दूर करने की है, जो ऐसी घटनाओं को जन्म देती हैं।

उत्तर प्रदेश में आधुनिक सड़कें बनी हैं, लेकिन कई स्थानों पर ब्लैक स्पॉट, अपर्याप्त संकेतक, खराब रोशनी और अवैध कट आज भी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। सड़क निर्माण केवल चौड़ी सड़क बनाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। सुरक्षित मोड़, स्पष्ट संकेत, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और नियमित रखरखाव भी उतने ही आवश्यक हैं। यदि सड़कें सुरक्षित नहीं होंगी, तो उनका आधुनिक स्वरूप भी लोगों को सुरक्षा का भरोसा नहीं दे पाएगा।

सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कई बसों में आपातकालीन निकास द्वार केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। अग्निशमन उपकरणों की अनुपलब्धता और वाहन की तकनीकी खराबियां दुर्घटना के समय यात्रियों के लिए जानलेवा साबित होती हैं। परिवहन विभाग को फिटनेस जांच की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और सख्ती के साथ लागू करना होगा। यात्रियों की सुरक्षा किसी भी व्यावसायिक लाभ से अधिक महत्वपूर्ण होनी चाहिए।

वाहन चालक भी सड़क सुरक्षा की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। लंबी दूरी तय करने वाले चालक कई बार लगातार घंटों वाहन चलाते रहते हैं। पर्याप्त विश्राम न मिलने से उनकी सतर्कता कम हो जाती है और कुछ क्षणों की चूक भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन जाती है। इसलिए परिवहन कंपनियों को चालक बदलने की व्यवस्था और अनिवार्य विश्राम अवधि सुनिश्चित करनी चाहिए। सुरक्षित यात्रा के लिए प्रशिक्षित और सतर्क चालक उतने ही जरूरी हैं, जितनी सुरक्षित सड़कें।

उत्तर प्रदेश में अयोध्या, काशी, मथुरा, वृंदावन और प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों पर हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। त्योहारों और मेलों के दौरान यातायात कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे समय में बसों और सार्वजनिक वाहनों की विशेष जांच, अतिरिक्त निगरानी और प्रभावी यातायात प्रबंधन अत्यंत आवश्यक हो जाता है। बढ़ते यात्री भार के साथ सुरक्षा उपायों का विस्तार भी अनिवार्य है।

दुर्घटना के बाद राहत और बचाव व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ 'गोल्डन ऑवर' को सबसे अहम मानते हैं। यदि दुर्घटना के पहले एक घंटे के भीतर घायल व्यक्ति को उचित चिकित्सा सहायता मिल जाए, तो अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। उत्तर प्रदेश के प्रमुख एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रॉमा सेंटर, आधुनिक एंबुलेंस और त्वरित राहत दलों की उपलब्धता को और मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

सड़क सुरक्षा केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। वाहन मालिकों, परिवहन कंपनियों, चालकों और आम नागरिकों की भी समान भूमिका है। तेज रफ्तार, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाना, गलत दिशा में ड्राइविंग और यातायात नियमों की अनदेखी जैसी आदतें दुर्घटनाओं को बढ़ावा देती हैं। यदि प्रत्येक नागरिक नियमों का पालन अपनी जिम्मेदारी समझे, तो दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में सड़क सुरक्षा को भी विकास की पहली शर्त बनाना होगा। आधुनिक सड़कें तभी सार्थक होंगी, जब वे लोगों को सुरक्षित मंजिल तक पहुंचाएं। हर दुर्घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि जांच रिपोर्टों की सिफारिशें ईमानदारी से लागू हों, सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन हो और सड़कों पर अनुशासन की संस्कृति विकसित की जाए। क्योंकि सड़कें रफ्तार के लिए जरूर हैं, लेकिन सबसे पहले वे सुरक्षित सफर के लिए हैं।

दूसरे टी20 से पहले रिकॉर्ड्स पर नजर

जोश बटलर का रिकॉर्ड बरकरार विराट कोहली सबसे करीब

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का दूसरा मुकाबला 4 जुलाई को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाएगा। पहले मैच के बारिश में रद्द होने के बाद अब दोनों टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। मुकाबले से पहले दोनों देशों के बीच टी20 क्रिकेट में बने बल्लेबाजी रिकॉर्ड भी चर्चा में हैं। सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर शीर्ष पर हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 29 मैचों में 669 रन बनाए हैं। उनके बाद विराट कोहली 21 मैचों में 648 रन के साथ दूसरे और रोहित शर्मा 16 मुकाबलों में 467 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

भारत–इंग्लैंड टी20 इतिहास की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का

रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम दर्ज है। उन्होंने 2025 में वानखेड़े स्टेडियम में सिर्फ 54 गेंदों पर 135 रन की विस्फोटक पारी खेली थी, जिसमें 7 चौके और 13 छक्के शामिल थे। दूसरे स्थान पर सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने 2022 में नॉटिंघम में 117 रन बनाए थे।

चौके लगाने के मामले में भी बटलर और विराट संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। दोनों के नाम 61–61 चौके दर्ज हैं। रोहित शर्मा 49 और सूर्यकुमार यादव 38 चौकों के साथ क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। वहीं छक्कों की सूची में भी बटलर 28 छक्कों के साथ सबसे आगे हैं। हार्दिक पांड्या 27, जबकि केवल सात मैचों में 26 छक्के जड़कर अभिषेक शर्मा तीसरे स्थान पर पहुंच चुके हैं। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी औसत की बात करें तो इंग्लैंड के रवि बोपारा 103.00 की औसत के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद वीरेंद्र सहवाग, डेविड विली और अभिषेक शर्मा का नाम आता है। ऐसे में मैनचेस्टर में होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में इन रिकॉर्ड्स में नए अध्याय जुड़ने की उम्मीद रहेगी।

अभिषेक शर्मा की 135 रन की पारी अब भी नंबर–1

पहले फॉलोअर्स लाओ, फिर मिलेगा रोल

दिव्या दत्ता ने खोली बॉलीवुड की नई हकीकत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड की दमदार अदाकारा दिव्या दत्ता ने फिल्म इंडस्ट्री के बदलते दौर पर खुलकर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल अभिनय प्रतिभा ही सफलता की गारंटी नहीं है, बल्कि सोशल मीडिया फॉलोअर्स भी कलाकारों के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हो गए हैं। दिव्या का कहना है कि अब कई बार कलाकार की काबिलियत से पहले उसकी ऑनलाइन लोकप्रियता देखी जाती है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान दिव्या दत्ता ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब मौके बेहद सीमित थे और संघर्ष काफी लंबा था। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने नए कलाकारों के लिए रास्ते आसान किए हैं, लेकिन इसके साथ नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। उन्होंने कहा कि आज निर्माता अक्सर ऐसे कलाकारों पर ज्यादा ध्यान देते हैं जिनकी सोशल मीडिया पर मजबूत मौजूदगी हो। उनके शब्दों में, "पहले फॉलोअर्स लाओ, तभी काम मिलेगा" जैसी सोच इंडस्ट्री में तेजी से बढ़ रही है। एक अच्छी रील भी किसी नए चेहरे को रातों–रात पहचान दिला सकती है।

दिव्या ने यह भी कहा कि लोग अब वास्तविक जिंदगी जीने से ज्यादा उसे रिकॉर्ड करने में व्यस्त हो गए हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि सोशल मीडिया ने अवसर तो बढ़ाए हैं, लेकिन अभिनय से ज्यादा लोकप्रियता को महत्व मिलने लगा है।

अभिनेत्री बोलीं– अब सिर्फ अभिनय नहीं सोशल मीडिया की लोकप्रियता भी तय कर रही करियर की दिशा

'अल्फा' में आलिया–शरवरी की मेहनत भी नहीं बचा सकी मिशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला–केंद्रित फिल्म 'अल्फा' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। आलिया भट्ट और शरवरी की जोड़ी, दमदार एक्शन और बड़े स्टारकास्ट के बावजूद फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर पाती। करीब ढाई घंटे की यह एक्शन थ्रिलर तकनीकी रूप से प्रभावशाली है, लेकिन कमजोर कहानी और फीकी पटकथा इसकी सबसे बड़ी कमी बनकर सामने आती है। फिल्म की कहानी जुड़वां बहनों सीता (आलिया भट्ट) और दुर्गा (शरवरी) के इर्द–गिर्द घूमती है, जिनकी जिंदगी बचपन में बिछड़ने के बाद अलग–अलग राहों पर निकल जाती है। एक बहन खतरनाक मिशन का हिस्सा बनती है तो दूसरी अपने परिवार के साथ सामान्य जीवन जीती है। परिस्थितियां दोनों को आमने–सामने ला खड़ा करती हैं और यहीं से शुरू होता है एक्शन, साजिश और भावनाओं का संघर्ष। अभिनय की बात करें तो आलिया भट्ट ने अपने किरदार में पूरी मेहनत की है। एक्शन दृश्यों में उनकी तैयारी साफ दिखाई देती है, हालांकि भावनात्मक दृश्यों में किरदार पूरी तरह प्रभाव नहीं छोड़ पाता। शरवरी सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद प्रभावित करती हैं। वहीं बॉबी देओल विलेन के रूप में सबसे दमदार नजर आते हैं और अनिल कपूर अपने अनुभव से कहानी को मजबूती देते हैं। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक, एक्शन सीक्वेंस और सिनेमैटोग्राफी इसकी बड़ी ताकत हैं। निर्देशक शिव रवैल ने बड़े पैमाने पर फिल्म को प्रस्तुत करने की कोशिश की है, लेकिन कमजोर स्क्रीनप्ले और अनुमानित ट्विस्ट दर्शकों को पूरी तरह बांध नहीं पाते। फिल्म का सबसे चर्चित पल ऋतिक रोशन का 'कबीर' अवतार में कैमियो है, जिसकी एंट्री पर सिनेमाघरों में दर्शकों की जमकर तालियां सुनाई देती हैं।

नेटफ्लिक्स पर छाया फराह खान का नया शो

यूनिक समय, नई दिल्ली। फराह खान और रितेश देशमुख की मेजबानी वाला रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' रिलीज के साथ ही दर्शकों की पहली पसंद बन गया है। मेकर्स के अनुसार शो ने प्रीमियर के महज दो दिनों के भीतर नेटफ्लिक्स इंडिया की नंबर–1 ट्रेंडिंग सूची में जगह बना ली है। रणनीति, जबरदस्त टास्क, तीखे विवाद, भावनात्मक पलों और अप्रत्याशित ट्विस्ट के कारण यह शो सोशल मीडिया पर भी लगातार चर्चा में बना हुआ है। शो की सफलता पर खुशी जताते हुए फराह खान ने दर्शकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इतनी कम अवधि में दर्शकों का मिला प्यार उनके लिए बेहद खास है। फराह के मुताबिक भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के दर्शक शो के माइंड गेम्स, ड्रामा और ट्विस्ट को पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेलर की भूमिका निभाते हुए वह हर दिन कंटेस्टेंट्स की रणनीतियों, रिश्तों, टकराव और भावनात्मक उतार–चढ़ाव को बेहद करीब से देख रही हैं, जिससे शो हर एपिसोड के साथ और रोमांचक होता जा रहा है। फराह खान ने संकेत दिया कि अब प्रतियोगिता और कठिन होने वाली है। उनका कहना है कि कई बड़े सरप्राइज अभी बाकी हैं और आगे का सफर कंटेस्टेंट्स के लिए आसान नहीं रहेगा। शो का पहला एलिमिनेशन दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा रहा है। आने वाले विशेष एपिसोड में कंगना पहले सप्ताह के प्रदर्शन की समीक्षा करेंगी और सीजन के पहले एलिमिनेशन का ऐलान करेंगी। यह एपिसोड 4 जुलाई को स्ट्रीम होगा।

दो दिन में बना नंबर–1 लॉक अपः सच या सजा ने मचाया धमाल

'अल्फा' पर बंटी राय, कहानी और लॉजिक को लेकर सोशल मीडिया पर उठे सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला–केंद्रित फिल्म 'अल्फा' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।

फिल्म को लेकर लंबे समय से दर्शकों में उत्साह था, लेकिन रिलीज के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इसे लेकर मिली–जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। जहां कुछ दर्शकों ने फिल्म के एक्शन, सिनेमैटोग्राफी और विजुअल इफेक्ट्स की तारीफ की, वहीं कई लोगों ने इसकी कहानी, पटकथा और लॉजिक पर सवाल उठाए।

दर्शकों के एक वर्ग का कहना है कि फिल्म का तकनीकी पक्ष मजबूत है और शरवरी व बॉबी देओल का अभिनय प्रभावशाली है। हालांकि, कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि कहानी कमजोर है और कुछ दृश्य अविश्वसनीय लगते हैं। कुछ पोस्ट में फिल्म की तुलना हॉलीवुड फिल्मों से करते हुए इसे प्रेरित या मिलते–जुलते कॉन्सेप्ट वाली बताया गया। कई यूजर्स ने पहले हाफ को धीमा और बिखरा हुआ बताते हुए निराशा जताई। वहीं, कुछ समीक्षकों ने स्क्रीनप्ले और कथानक को लेकर आलोचनात्मक टिप्पणियां कीं। हालांकि, ये प्रतिक्रियाएं सोशल मीडिया पर साझा व्यक्तिगत राय हैं और सभी दर्शकों का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं। फिल्म में आलिया भट्ट, शरवरी और बॉबी देओल प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शुरुआती प्रतिक्रियाओं के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है और आने वाले दिनों में दर्शकों की राय किस दिशा में जाती है।

एक्शन और विजुअल्स की हुई सराहना

स्पेन–पुर्तगाल मुकाबले पर रहेंगी नजरें

फीफा विश्व कपः राउंड–16 की 13 टीमें तय

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में नॉकआउट मुकाबलों का रोमांच चरम पर पहुंच गया है। राउंड ऑफ–32 के मुकाबलों के बाद अब तक राउंड–16 के लिए 13 टीमों ने अपनी जगह पक्की कर ली है। अब केवल तीन स्थान शेष हैं, जिनके लिए छह टीमें मुकाबले में बनी हुई हैं। इनमें मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना का नाम भी शामिल है।

तीन जुलाई को खेले गए मुकाबलों में स्पेन, पुर्तगाल और स्विट्जरलैंड ने जीत दर्ज कर अंतिम–16 में प्रवेश किया। स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को 2–0 से हराकर अगले दौर का टिकट हासिल किया। अब उसका सामना

कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

अब तक राउंड–16 में पहुंचने वाली टीमों में कनाडा, मोरक्को, पराग्वे, प्रांस, अमेरिका, बेल्जियम, पुर्तगाल, स्पेन, ब्राजील, नॉर्वे, मेक्सिको, इंग्लैंड और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। अगले दौर में कनाडा का मुकाबला मोरक्को, प्रांस का पराग्वे, अमेरिका का बेल्जियम और मेक्सिको का इंग्लैंड से होगा। वहीं स्पेन और पुर्तगाल के बीच होने वाला मुकाबला सबसे चर्चित मैच माना जा रहा है।

अब सभी की नजरें अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया पर टिकी हैं। भारतीय समयानुसार ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला मिस्र (इजिप्ट) से, जबकि अर्जेंटीना की टक्कर काबो वर्दे से होगी। इन दोनों मैचों की विजेता टीमें राउंड–16 में आमने–सामने होंगी। वहीं कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले अंतिम राउंड–32 मुकाबले से आखिरी क्वालीफाई करने वाली टीम का फैसला होगा। इसके बाद राउंड–16 की तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर संघ की पहली प्रतिक्रिया

आस्था पर लगा गहरा आघात : होसबाले

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और पारदर्शिता की मांग

यूनिक समय, लखनऊ। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दानपेटियों से चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि यह घटना करोड़ों रामभक्तों की आस्था और विश्वास को गहरी ठेस पहुंचाने वाली है। उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि लंबे संघर्ष, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। ऐसे पवित्र स्थान पर चोरी जैसी घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर है।

होसबाले ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

संघ ने मंदिर की प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह तथा सुदृढ़ बनाने पर भी जोर दिया। बयान में कहा गया कि वित्तीय प्रबंधन, दान व्यवस्था और सुरक्षा प्रणाली में यदि कोई कमी है तो उसे तत्काल दूर किया जाना चाहिए। करोड़ों श्रद्धालुओं का विश्वास बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

संघ ने यह भी कहा कि मंदिर की संचालन व्यवस्था धर्मसम्मत, त्रुटिरहित और पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। वर्तमान में उत्पन्न भ्रम और अनिश्चितता की स्थिति का शीघ्र समाधान आवश्यक है, जिससे श्रद्धालुओं का भरोसा कायम रहे।

आरएसएस ने समाज से संयम बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

साथ ही कहा कि इस घटना का लाभ उठाकर समाज में भ्रम फैलाने या धार्मिक भावनाओं को भड़काने का प्रयास करने वाली ताकतों से सतर्क रहने की जरूरत है। संघ ने विश्वास जताया कि निष्पक्ष जांच और प्रभावी कार्रवाई से दोषियों को सजा मिलेगी तथा श्रद्धालुओं का विश्वास और मंदिर की गरिमा पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी महापाप: धीरेंद्र शास्त्री

दोषियों को कानून और भगवान दोनों देंगे दंड

एसआईटी जांच पर जताया भरोसा, श्रद्धालुओं से संयम की अपील

यूनिक समय, अयोध्या। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी की घटना पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मंदिर के चढ़ावे की चोरी केवल पाप नहीं, बल्कि महापाप है। जो भी इस मामले में दोषी होगा, उसे कानून के साथ-साथ भगवान भी उसके कर्मों का दंड देंगे।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार, कानून व्यवस्था और विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच पर पूरा भरोसा है। उन्होंने विश्वास जताया कि निष्पक्ष जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में संतों, मठों और मंदिरों की छवि खराब करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे मामलों में समाज को अफवाहों और भ्रामक प्रचार से बचना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सत्य सामने आएगा और दोषियों को उनके किए की उचित सजा अवश्य मिलेगी।

यूपीटीईटी में 13 फर्जी अभ्यर्थी पकड़े गए

यूनिक समय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) के पहले दिन सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा संपन्न हुई। प्रथम पाली में प्रदेशभर में 92.4 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। परीक्षा के दौरान दूसरे अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा देने पहुंचे 13 फर्जी परीक्षार्थियों को विभिन्न जिलों से पकड़ा गया, जबकि आगरा में एक अभ्यर्थी मोबाइल फोन के माध्यम से नकल करते हुए गिरफ्तार किया गया।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अनुसार सिद्धार्थनगर, बस्ती, मथुरा, अमेठी, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर नगर, गोंडा, बदायूं, अलीगढ़ और उन्नाव समेत कई जिलों में पहचान सत्यापन के दौरान फर्जी अभ्यर्थियों का खुलासा हुआ। सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आगरा के एक परीक्षा केंद्र पर जांच के दौरान एक परीक्षार्थी मोबाइल फोन से नकल करता पकड़ा गया। पुलिस ने उसे तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उसके पास से मोबाइल भी बरामद किया गया है।

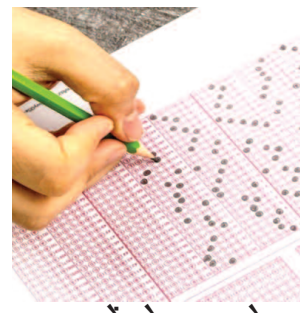

आगरा में मोबाइल से नकल करता परीक्षार्थी गिरफ्तार

कई जिलों में सख्ती के बीच हुई परीक्षा

आयोग ने बताया कि परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए सभी केंद्रों पर कड़ी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी कैमरों और उड़नदस्तों की व्यवस्था की गई थी। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता या नकल करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

यूपी में मौसम का बदला मिजाज, कई जिलों में अलर्ट

अगले तीन घंटे में बारिश, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी

मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ ने शुक्रवार शाम जारी तात्कालिक पूर्वानुमान (नाउकास्ट) में अगले तीन घंटे के दौरान प्रदेश के अनेक जिलों में गरज-चमक, तेज बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार कई स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि कुछ इलाकों में हवा के झोंके 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम विभाग ने प्रतापगढ़, चित्रकूट, बांदा, कौशांबी, हमीरपुर, फतेहपुर, रायबरेली, अमेठी, कानपुर नगर, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, अयोध्या और बाराबंकी सहित आसपास के क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ मध्यम से तेज बारिश की संभावना जताई है। इन जिलों में अचानक मौसम खराब होने की आशंका को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

इसके अलावा प्रयागराज, जौनपुर, महोबा, कानपुर देहात, उन्नाव, औरैया, लखनऊ, कन्नौज, हरदोई, फर्रुखाबाद, सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, रामपुर, संभल, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, मेरठ, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, झांसी और इटावा समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश, तेज हवा और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग ने नागरिकों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने, खुले मैदानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। किसानों को भी खेतों में काम करते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

प्रशासन ने संबंधित जिलों के अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

आपदा प्रबंधन और राहत दलों को भी आवश्यक तैयारियां बनाए रखने को कहा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ घंटों तक प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम का यही रुख बना रह सकता है।

आपत्तिजनक वीडियो से घिरे कॉमेडियन बाबू गप्पी

महिलाओं पर टिप्पणी से बढ़ा विवाद

महिला आयोग ने सख्त कार्रवाई की मांग की

यूनिक समय, आगरा। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो को लेकर कॉमेडियन और यूट्यूबर बाबू गप्पी विवादों में घिर गए हैं। वीडियो में कथित रूप से महिलाओं और चिकित्सक पेशे को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। मामले का संज्ञान लेते हुए राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने इसे महिलाओं की गरिमा के खिलाफ बताते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की बात कही है।

वीडियो में बाबू गप्पी एक हास्य प्रस्तुति के दौरान डॉक्टर बनने की इच्छा जताते हुए महिलाओं के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी करते दिखाई देते हैं। वीडियो वायरल होने के बाद महिला संगठनों और कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इसे अशोभनीय बताते हुए वीडियो हटाने और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बबीता चौहान ने कहा कि महिलाओं की गरिमा से खिलवाड़ करने वाले ऐसे कंटेंट को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने पुलिस आयुक्त से बात कर उचित कार्रवाई कराने की बात कही। वहीं, स्थानीय महिला संगठनों ने भी डॉक्टरों और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते हुए विवादित वीडियो हटाने और भविष्य में ऐसे कंटेंट पर रोक लगाने की मांग की है।

लखनऊ आम महोत्सव का शुभारंभ, 800 किस्मों ने मोहा मन

आधा किलो का आम बना आकर्षण का केंद्र

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तीन दिवसीय आम महोत्सव का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उत्कृष्ट आम उत्पादकों को सम्मानित किया और प्रदर्शनी में लगी विभिन्न किस्मों के आमों का अवलोकन किया। इस दौरान करीब आधा किलो वजनी एक विशेष आम को देखकर मुख्यमंत्री मुस्कुराए और उसे हाथ में लेकर तस्वीर भी खिंचवाई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने भी प्रदर्शनी से दो पेटी आम खरीदे।

महोत्सव में प्रदेश और देश के विभिन्न क्षेत्रों की 800 से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आम्रपाली, रटौल, लखनऊ सफेदा, अल्फांसो, नूरजहां, लालिमा, बनाना मैंगो, टॉमी एटकिंस, याकूती, मोदी मैंगो और योगीराज जैसी प्रसिद्ध किस्में आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। आम से बने अचार, जूस, पल्प और अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों की भी प्रदर्शनी लगाई गई है।

मुख्यमंत्री ने किसानों को किया सम्मानित, निर्यात बढ़ाने पर दिया जोर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश का आम आज ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, कुवैत सहित अनेक देशों में निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक विशेष किस्म को "काकोरी ब्रांड" के नाम से पहचान दी गई है, जो देशभक्ति और समर्पण का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने किसानों से आधुनिक तकनीक अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रदेश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित खेती, ई-व्यापार और वैश्विक निर्यात को बढ़ावा देने पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने रसायन-मुक्त उत्पादन, बेहतर गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप फलों की खेती को समय की आवश्यकता बताया।

उन्होंने कहा कि आम की सुरक्षा के लिए किसानों को विशेष बैग उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की असली ताकत उसके किसान हैं और सरकार उन्हें आधुनिक तकनीक, विपणन और निर्यात की सुविधाएं उपलब्ध कराकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

प्रधानों के बाद हुए भुगतानों की होगी जांच

डीएम ने संयुक्त टीम गठित कर दिए निर्देश

वित्त आयोग की राशि खर्च पर रहेगा फोकस

यूनिक समय, आगरा। ग्राम पंचायतों में प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद किए गए भुगतानों की अब गहन जांच होगी। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने 26 मई से 29 जून के बीच 15वें केंद्रीय वित्त आयोग और 5वें राज्य वित्त आयोग की धनराशि से हुए भुगतान की समीक्षा के आदेश दिए हैं। इस अवधि में सर्वाधिक भुगतान करने वाली ग्राम पंचायतों और संबंधित कार्यों को विशेष रूप से जांच के दायरे में रखा गया है।

जिलाधिकारी ने प्रत्येक मामले की जांच के लिए जिला स्तरीय अधिकारी और संबंधित खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) की संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश दिए हैं।

जांच में यह देखा जाएगा कि जिन कार्यों का भुगतान किया गया, उन्हें नियमानुसार प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी स्वीकृति मिली थी या नहीं तथा कार्य वास्तव में धरातल पर पूरे हुए या नहीं।

हैदराबाद पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का किया पर्दाफाश

इंडिया पोस्ट से हो रही थी गांजे की होम डिलीवरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। हैदराबाद पुलिस ने एक ऐसे संगठित मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो कथित तौर पर स्पीड पोस्ट और निजी कूरियर सेवाओं के जरिए देश के 21 राज्यों में गांजा पहुंचा रहा था। आरोपी पार्सलों में मादक पदार्थ को दवाई बताकर भेजते थे, ताकि जांच के दौरान संदेह न हो।

जांच की शुरुआत तब हुई, जब झारखंड से हैदराबाद भेजे जा रहे एक संदिग्ध पार्सल को पकड़ा गया। इसके बाद पुलिस ने पूरे नेटवर्क का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि गिरोह प्रतिदिन 80 से 100 ग्राहकों के ऑर्डर पूरे करता था और रोजाना कई पार्सल अलग-अलग राज्यों में भेजे जाते थे।

पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी सत्यम मिश्रा को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके चार साथी अभी फरार हैं। दो खरीदारों को भी गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, गिरोह सोशल मीडिया के माध्यम से ऑर्डर लेता था और भुगतान यूपीआई के जरिए

21 राज्यों में फैला था नेटवर्क

दवाई बताकर भेजे जाते थे नशीले पार्सल

प्राप्त करता था। तस्कर मादक पदार्थ की अलग-अलग मात्रा के लिए कोड शब्दों का भी इस्तेमाल करते थे। पुलिस का अनुमान है कि इस अवैध कारोबार का मासिक कारोबार 30 से 35 लाख रुपये तक पहुंच गया था। फिलहाल फरार आरोपियों की तलाश जारी है और डाक तथा कूरियर माध्यमों की निगरानी बढ़ा दी गई है।

पाकिस्तान में बस खाई में गिरी, 40 यात्रियों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वाह प्रांत की सीमा के पास शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 40 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा दाना सर क्षेत्र में उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार यात्री बस चालक का नियंत्रण खोने के बाद गहरी खाई में जा गिरी।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार बस क्षमता से अधिक यात्रियों को लेकर चल रही थी। रास्ते में खराब हुई दूसरी बस के यात्रियों को भी इसी बस में बैठा लिया गया था, जिससे वाहन पूरी तरह ओवरलोड हो गया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और अधिक सवारियां हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही हैं।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राहत एवं बचाव दल ने घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां कई

तेज रफ्तार और ओवरलोडिंग बनी हादसे की वजह

आठ घायल, मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

की हालत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। हादसे पर पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारीऔर बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों के बेहतर उपचार और राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। पाकिस्तान में खराब सड़कें, ओवरलोडिंग और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण इस तरह के सड़क हादसे अक्सर सामने आते रहते हैं।

विरोध पर कार्रवाई उचित नहीं: बॉम्बे हाईकोर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करना, धरना देना और नारे लगाना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। अदालत ने कहा कि केवल विरोध प्रदर्शन के आधार पर किसी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई या जिला बदर का आदेश उचित नहीं ठहराया जा सकता।

यह टिप्पणी एसडीपीआई नेता सईद अहमद अब्दुल वहीद चौधरी के मामले की सुनवाई के दौरान की गई। महाराष्ट्र पुलिस ने उनके खिलाफ दर्ज मामलों के आधार पर एक वर्ष के लिए जिला बदर का आदेश जारी किया था, जिसे हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पूछा कि क्या सरकार के खिलाफ आवाज उठाना अपराध है। अदालत ने कहा कि

सरकार का विरोध लोकतांत्रिक अधिकार बताया

जिला बदर का आदेश अदालत ने रद्द किया

पुलिस का दायित्व कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, न कि सरकार की आलोचना करने वालों को निशाना बनाना। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान से मिले मौलिक अधिकार हैं। अदालत ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसे मामलों में संवैधानिक अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए।

दिल्ली में आतंकी साजिश नाकाम चार संदिग्ध गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक कथित अंतरराज्यीय आतंकी और हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हैं और वे दिल्ली-एनसीआर में बड़ी आतंकी साजिश की तैयारी कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से दो विदेशी पिस्तौल, नौ जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। खुफिया सूचना के आधार पर दिल्ली और पंजाब में संयुक्त कार्रवाई के दौरान चारों आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों का कहना है कि प्रारंभिक पूछताछ में सीमा पार से ड्रोन के जरिए हथियार और नशीले पदार्थ मंगाने के संकेत मिले हैं। एक आरोपी

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से जुड़े होने का आरोप

हथियार, कारतूस और मोबाइल फोन बरामद

पर दिल्ली के संवेदनशील स्थानों और प्रमुख धार्मिक स्थलों की रेकी करने का भी आरोप है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

होटल के कमरे में युवती का शव, साथी हिरासत में

यूनिक समय, नई दिल्ली। हैदराबाद के लंगर हाउस क्षेत्र स्थित एक होटल के कमरे में 26 वर्षीय रेणुका का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार युवती का शव कमरे में छत के पंखे से लटका मिला। बताया गया कि रेणुका ने होटल का कमरा फारूक नामक व्यक्ति के साथ बुक कराया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फारूक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार फारूक ने बयान दिया है कि वह कुछ समय के लिए कमरे से बाहर गया था और लौटने पर रेणुका को फंदे से लटका पाया।

वहीं, रेणुका के परिजनों ने

संदिग्ध परिस्थितियों में मिली 26 वर्षीय रेणुका की लाश

हत्या या आत्महत्या पुलिस कर रही जांच

आत्महत्या की आशंका से इनकार करते हुए हत्या का आरोप लगाया है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट होगा कि मामला आत्महत्या का है या हत्या का। फिलहाल सभी पहलुओं से जांच जारी है।

केतन हत्याकांड में तीसरे शख्स की हुई एंट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में नया मोड़ सामने आया है। पुलिस ने आरोपी चेतन चौधरी के एक सहपाठी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि उसे कथित हत्या की साजिश की पहले से जानकारी थी।

पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान सहपाठी ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं, जिसके बाद उसकी भूमिका की गहराई से जांच की जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि घटना के बाद उसकी मुलाकात चेतन चौधरी और सह-आरोपी सिया गोयल से भी हुई थी। जांचकर्ता यह पता लगाने में जुटे हैं कि क्या वह केवल मामले की जानकारी रखता था या साजिश में किसी रूप में शामिल भी था। फिलहाल पुलिस ने उसके खिलाफ कोई औपचारिक आरोप तय नहीं किया है। दूसरी ओर, पुलिस डिजिटल साक्ष्यों, फॉरेंसिक रिपोर्ट और अन्य सबूतों के आधार पर मामले को मजबूत करने में जुटी है। मामले की जांच जारी है।

दिग्विजय के बयान से कांग्रेस में बढ़ी हलचल

पार्टी लाइन से अलग रुख पर चर्चा तेज

अटकलों के बीच हाईकमान की नजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के हालिया बयानों ने मध्य प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। पार्टी के आधिकारिक रुख से अलग दिए गए उनके बयान के बाद कांग्रेस के भीतर मतभेद खुलकर सामने आए हैं।

विवाद तब बढ़ा जब दिग्विजय सिंह ने उज्जैन की जमीन से जुड़े मामले में अपनी ही पार्टी के आरोपों से अलग तथ्य सार्वजनिक किए। इसके बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने नाराजगी जताई और मामला संगठन के भीतर चर्चा का विषय बन गया।

हालांकि कांग्रेस नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि दिग्विजय सिंह पार्टी के वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं तथा उनके कांग्रेस छोड़ने या उनके खिलाफ किसी बड़ी कार्रवाई की संभावना नहीं है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद पार्टी के भीतर नेतृत्व और रणनीति को लेकर चल रही खींचतान का संकेत हो सकता है। फिलहाल कांग्रेस इस मामले पर संतुलन बनाए रखने की कोशिश में जुटी है।

मूसलाधार बारिश से सड़कें बनीं नदियां घरों में घुसा पानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के वलसाड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव होने से सड़कें तालाब जैसी नजर आने लगीं, जबकि अनेक घरों में पानी घुस गया। अब्रामा क्षेत्र की साई पार्क सोसायटी और चिकी फैक्ट्री के आसपास सबसे अधिक जलभराव देखा गया, जहां कई घरों में कमर तक पानी भर गया। लोगों का घरेलू सामान भी पानी में खराब हो गया। बीकेएम साइंस कॉलेज परिसर में भी बारिश का पानी भर गया, जिसके बाद कॉलेज प्रशासन ने पानी निकासी के प्रयास शुरू किए। कई वाहन चालक जलभराव के बीच निकलने की कोशिश में फंस गए। नानक वाला क्षेत्र में एक वैन पानी में अटक गई, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। लगातार बारिश से लोगों को आवागमन, बिजली और दैनिक कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य जारी हैं।

नागपुर में पुलिसकर्मी पर हमला, 14 लोग गिरफ्तार

बाइक सवारों ने कार में की तोड़फोड़

यातायात विवाद के बाद सड़क पर बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नागपुर में मामूली यातायात विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बाइक सवारों के एक समूह ने एक पुलिसकर्मी पर हमला कर उनकी निजी कार में तोड़फोड़ कर दी। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, एमआईडीसी शाखा में तैनात पुलिसकर्मी कुणाल सिंह ड्यूटी के बाद घर लौट रहे थे। रास्ते में कुछ बाइक सवार खतरनाक ढंग से वाहन चला रहे थे। हॉर्न बजाकर सावधान करने पर वे आगे बढ़ गए, लेकिन कुछ दूरी पर पुलिसकर्मी की कार रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि बाइक सवारों ने कार पर पत्थर फेंके, शीशे तोड़ दिए और पुलिसकर्मी से मारपीट की, जिससे उन्हें गर्दन और पीठ में चोटें आईं। स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच कर 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

राया में दो पक्षों में संघर्ष, जमकर फेंके ईट–पत्थर, वीडियो वायरल

यूनिक समय, राया। थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव मदैम में गुरुवार को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान बीच सड़क पर दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर जमकर ईंट–पत्थर फेंके, जिससे इलाके में अफरा–तफरी मच गयी। घटना का लाइव वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पथराव के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा। सूचना मिलते ही राया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। इस मामले में 12 नामजद और आधा दर्जन से अधिक अज्ञात लोगो के खिलाफ थाना में मुकदमा दर्ज हुआ है। इसमें चार लोगों को हिरासत में

राया थाना क्षेत्र के ग्राम मदैम में पथराव करते आरोपी।

लिया गया है। गांव मदैम छिकाड़ा निवासी देवीराम ने थाना में दी तहरीर में रामकुमार, मनीष, सरदार, समीर, कमलकांत, शिवसिंह, सुल्तान, विनीत, सुखदेवी, प्रियंका, योगेश, सुमित निवासी मदेम और आठ – दस अज्ञात लोगों पर आरोप लगाया कि सभी ने एक राय होकर मेरे साथ लाठी-डंडे लेकर हमला कर मारपीट शुरू कर दी, उनको बचाने आये पुत्र धर्मेंद्र, संदीप, दुर्गेश, कमलेश और खुशबू को भी बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया। जमकर पथराव कर पानी की टंकी और टीनशेड तोड़कर

12 नामजद और आधा दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आरोपित जान से मारने की घमकी देकर फरार हो गये। पथराव के दौरान सड़क पर दोनों तरफ से जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लेकर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है । थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने बताया कि इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है, बाकी को जल्दी ही गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मुठभेड़ में एक बदमाश घायल, दूसरा भाग निकला

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां पुलिस टीम की अजीजपुर के समीप बाइक सवार दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, जबकि दूसरा अंधेरे के फायदा उठा कर भाग निकला। मुठभेड़ में एक सिपाही भी घायल हुआ है। पुलिस भागे बदमाश की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

थाना कोसीकलां पुलिस टीम न्यू कोसी गोपालबाग बाईपास रोड पर रोड से करीब एक किलोमीटर अजीजपुर की तरफ संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान सामने से अजीजपुर की तरफ से एक मोटरसाइकिल स्प्लेंडर बिना नंबर प्लेट की आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने उसे रुकवाने का प्रयास किया। पुलिस को देख कर बदमाशों ने मोटरसाइकिल को मोड़कर गांव अजीजपुर की ओर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास

पुलिस को देशी तमंचा कारतूस बाइक मिली

किया गया, इस पर मोटरसाइकिल सवार दोनों बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत फायरिंग की। बदमाशों की चलाई गई गोली से एक सिपाही घायल हो गया। पुलिस द्वारा जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिससे वह वहीं गिर गया । पुलिस टीम ने मौके से घायल हुए बदमाश को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार, अभियुक्त नाम अनीश पुत्र रजक निवासी आलि मेव थाना बहीन जनपद पलवल है। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटनास्थल से उसका दूसरा साथी मौके से भाग निकलने में कामयाब हो गया। पुलिस को घटनास्थल से एक बाइक और देशी तमंचा- करतूस और खोखा कारतूस बरामद हुए हैं।

15 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच हुई यूपी–टेट परीक्षा

केआर बालिका विद्यालय से टेट परीक्षा देकर निकलते अभ्यर्थी।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी–टेट) 2026 के दूसरे दिन शुक्रवार को जिले के 15 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। जिला प्रशासन की कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के कारण पूरे दिन परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था ठीक रही।

परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चली। इस पाली में 5,888 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जबकि 456 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम पांच बजे तक हुई। इसमें 6,305 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 414 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। 15 परीक्षा केंद्रों पर 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 15 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। इसके साथ ही पर्याप्त पुलिस बल भी लगाया गया, जिससे

डीएम–एसएसपी ने कंट्रोल रूम और केंद्रों का किया निरीक्षण

15 सेक्टर और 15 स्टेटिक मजिस्ट्रेट रहे तैनात

परीक्षा केंद्रों के भीतर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक–चौबंद रही।

डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से परीक्षा की लगातार निगरानी की। दोनों अधिकारियों ने कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को आयोग के सभी निर्देशों का सख्ती से पालन करने और परीक्षा को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कराने के निर्देश दिए।

माथुर चतुर्वेद परिषद के त्रिवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया शुरू

माथुर चतुर्वेद परिषद के चुनाव के लिए नामांकन जमा करते दावेदार।

यूनिक समय, मथुरा। माथुर चतुर्वेद परिषद के त्रिवार्षिक चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हुई। नामांकन प्रक्रिया के प्रथम दिन कुल 14 नामांकन पत्र आए, जिनमें सबसे अधिक मंत्री पद के लिए छह और उपाध्यक्ष पद के लिए 4 नामांकन आए हैं। नामांकन पत्रों की कल जांच की जाएगी।

यह जानकारी चुनाव अधिकारी उमेश चतुर्वेदी और संजीव चतुर्वेदी ने देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद के लिए केवल एक नामांकन राजन पाठक का आया है, महामंत्री पद के लिए भी एक नामांकन संजय चतुर्वेदी एल्पाइन और उपाध्यक्ष पद के लिए चार नामांकन आए हैं, जिनमें योगेंद्र चतुर्वेदी, देवेंद्र चतुर्वेदी, कमल चतुर्वेदी 'मौला' और राजेश चतुर्वेदी के नाम शामिल हैं। मंत्री पद के लिए आए छह नामांकनों में संजय चतुर्वेदी, हरदेव चतुर्वेदी, श्याम मोनू चतुर्वेदी, अनिरुद्ध चतुर्वेदी, अनिल चतुर्वेदी 'पमपम' और सुशांत चतुर्वेदी के नाम हैं। आय–व्यय निरीक्षक (ऑडिटर) के लिए आशीष चतुर्वेदी का

पहले दिन आए 11 नामांकन, मंत्री पद के लिए सर्वाधिक पर्चे

नामांकन हुआ है। इन नामांकन पत्रों की कल सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक जांच होगी। जांच के सही मिलने वाले नामांकनों घोषणा की जाएगी। पांच जुलाई को समन्वय समिति की बैठक सुबह10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी, इसी दिन दोपहर 12 बजे सभी पदों के विजयी प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। शाम को चार बजे यमुना पूजा का कार्यक्रम विश्राम घाट पर होगा।

नामांकन प्रक्रिया के दौरान परिषद के मुख्य संरक्षक-अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक, संरक्षक गिरधारी लाल पाठक, नवीन नागर, दिनेश पाठक, महामंत्री राकेश तिवारी, उपाध्यक्ष शिवकुमार चतुर्वेदी (एडवोकेट) और रंजीत पाठक सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समाज के सभी वर्गों को भारतीय नववर्ष से जोड़ना होगा: राजकुमार

नवसंवत्सर को सर्वव्यापी बनायेगी नववर्ष मेला समिति

सदस्यों को रजत जयंती वर्ष प्रतीक चिह्न और पत्रिका नव प्रवाह भेंट की गई।

यूनिक समय, मथुरा। नववर्ष मेला समिति रक्तदान, पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण सहित अन्य सामाजिक कार्य कर समाज के हर वर्ग को नववर्ष मेला से जोड़ने का कार्य करेगी। शोभायात्राओं के माध्यम से भारतीय नवसंवत्सर को सर्वव्यापी बनायेगी, शुरुआत रक्तदान से होगी।

यह निर्णय नववर्ष मेला समिति की गुरुवार को सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में आयोजित समीक्षा बैठक में लिया गया। बैठक का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह राजकुमार, समिति संरक्षक जयप्रकाश शर्मा और मेला महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने भारत माता के चित्रपट के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रांत कार्यवाह राजकुमार ने कहा कि ऐसी बैठकों के माध्यम से कार्यक्रम में सुधार करने का अवसर मिलता है। समिति पदाधिकारियों और सदस्यों ने मेला के संबंध में विचार रखे, सुझाव दिए। कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने आय–व्यय को रखा। मेला रजत जयंती वर्ष पर सभी पदाधिकारियों और

संचालन मेला महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने किया। बैठक में ललिता गुप्ता, महावीर शर्मा, छैल बिहारी, डॉ. संजय, हरीशंकर राजू यादव जिलाध्यक्ष भाजपा, विजय बंटा, श्रीओम, डॉ. दीपा अग्रवाल, योगेश आवा, अनिरूद्ध अग्रवाल, मुकेश शर्मा मीडिया प्रभारी, समीर बंसल, विशाल रुहेला, बलदेव अग्रवाल, हरवीर सिंह, राजीव अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, बृजेन्द्र नागर, डॉ. सीमा मिश्रा, हरस्वरूप यादव, डॉ. रुचि अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, अवधेश उपाध्याय, दिनेश प्रताप सिंह, देवेश कुमार, कान्हा यादव, देवांशु शर्मा, आरती शर्मा, रजनी भट्ट, डॉ० जमुना शर्मा, अनुराधा शर्मा, तपेश भारद्वाज, नीतू गोस्वामी और सूचि अग्रवाल आदि पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ओमेक्स इटरनिटी के गेट पर गाड़ी में आग लगने से मची भगदड़

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ओमेक्स इटरनिटी के गेट पर शुक्रवार सायं को उस समय अफरा तफरी मच गई, जब इलेक्ट्रिक वाहन से धुआं उठता दिखा और देखते ही देखते आग ने भयावह रुप धारण कर लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गाड़ी में सवार लोगों को कुछ धुआं निकलते दिखा। वह किसी अप्रिय घटना की आशंका से गाड़ी से नीचे उतर गए। फिर क्या गाड़ी से आग के गुबार निकलते दिखाई दिए। काफी ऊंचाई काला–काला धुआं और फिर आग की लपटों ने सभी को चिंता में डाल दिया। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य में जुट गए। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया। सूचना मिलने पर

इलेक्ट्रिक वाहन में लगी आग से उठती लपटों का नजारा।

पुलिस पहुंच गई। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका।

मानसी गंगा में स्नान करने वालों की हो सुरक्षा

डूबने से हुई मौतों से आहत समाज सेवी ने शुरू किया अनशन

अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे समाजसेवी विनोदी सिंह आदि।

यूनिक समय, गोवर्धन, मथुरा। मानसी गंगा में लगातार श्रद्धालुओं की डूबकर हो रही मौतों के विरोध में जनाक्रोश पनप रहा है। मानसी गंगा पर सुरक्षा इंतजामों की मांग को लेकर एक समाजसेवी ने अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया है।

समाज सेवी विनोदी सिंह ने स्थानीय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण ही कई परिवारों के इकलौते चिराग मानसी गंगा में डूबकर बुझ चुके हैं। जिला प्रशासन के सामने सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए अपनी सात सूत्रीय मांगें रखते हुए चेतावनी दी है कि मांगें पूरी होने तक उनका अनशन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मानसी गंगा के चारों ओर तत्काल मजबूत रैलिंग लगाई जाए। प्रत्येक घाट पर प्रशिक्षित गोताखोर और लाइफगार्ड नियुक्त हों। घाटों पर पर्याप्त मात्रा में लाइफजैकेट, रस्सियां और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। पुलिस, नगर पंचायत और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें सांय और भीड़ के समय तैनात रहें। बच्चों और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित क्षेत्र चिन्हित किया जाए। खतरनाक स्पॉट पूरी तरह प्रतिबंधित किए जाएं। हर हादसे की जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

क्षतिग्रस्त कार से गांजा बरामद

यूनिक समय, मांट। यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में क्षतिग्रस्त एक कार से पुलिस ने 21,838 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार रात थाना मांट पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि जाबरा टोल प्लाजा के पास सड़क हादसे में क्षतिग्रस्त होकर खड़ी एक कार में संदिग्ध सामान रखा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार की तलाशी ली, जिसमें एक थैले से 21 किलो 838 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। थाना प्रभारी निरीक्षक जसवीर सिंह ने बताया कि मामले में दिल्ली निवासी दिनेश पुत्र नरेश कुमार और बिहार के सुपौल निवासी जयप्रकाश चौधरी पुत्र नागेश्वर चौधरी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।